दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | रायपुर, सोमवार 2 नवम्बर 2020, कार्तिक कृष्ण पक्ष-द्वितीया, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-261 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

पुलवामा पर आतंकिस्तान के कबूलनामे के बाद अब उसे एक आतंकवादी देश घोषित कराने के लिए भारत को अपनी पूरी ताकत लगा देनी चाहिए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है। वैसे भी आतंकिस्तान विश्व मंच पर अलग-थलग पड़ गया है। चमगादड़ चीन के अलावा उसका कोई हिमायती नहीं है। दुनिया भर में कोरोना वायरस फैलाने वाला चीन भी विश्व समुदाय की आंखों की किरकिरी बन चुका है। भारत के लिए यह अनुकूल अवसर है। लोहा गर्म है, हथौड़ा मारने में देरी नहीं करनी चाहिए। लगे हाथ एक सर्जिकल स्ट्राइक आस्तिन के सांपों के खिलाफ भी होनी चाहिए।

मरवाही में मतदान दलों की रवानगी, कांग्रेस भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला, 3 को वोटिंग

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। मरवाही विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तैयारी प्रशासन ने शुरू कर डी है । पैसों 3 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिए मतदान दल इवीएम लेकर रवाना होने लगे है । आज शाम से चुनाव प्रचार भी बन्द हो चुका है वहीं प्रचार के लिए गए बाहरी जिलों के नेताओ व कार्यकर्ताओ की शाम से ही वापसी शुरू हो गई है । कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला टक्कर का है और दोनो दलों ने अपनी अपनी जीत का दावा किया है लेकिन मतदान के 72 घंटे पहले जोगी कांग्रेस ने भाजपा को समर्थन देने की घोषणा कर चुनावी नतीजे को प्रभावित करने की कोशिश की है ।यह तो नतीजे आने के बाद पता चलेगा कि जोगी कांग्रेस का यह निर्णय भाजपा के लिए फायदेमंद हुआ या फिर भाजपा और जोगी कांग्रेस की यह रणनीति विफल हो गई।

मरवाही विधानसभा में मतदान 3 नवम्बर को होना है । चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है । चुनाव में कहने के लिए तो कांग्रेस के प्रत्याशी डॉ के के ध्रुव और भाजपा प्रत्याशी डॉ गम्भीर सिंह के बीच ही मुख्य मुकाबला है मगर असली लड़ाई प्रदेश कि भूपेश बघेल सरकार और विपक्षी दल भाजपा के बीच है और अब तो भाजपा को ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मरवाही उपचुनाव

- ■ जिले के बाहर के नेता कार्यकर्ताओं की भी मरवाही से रवानगी
- ■ ईवीएम लेकर मतदान दल केंद्रों के लिए रवाना, 10 को आएंगे नतीजे

पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल का दावा, हम ही जीतेंगे

■ मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा व सीआरपीएफ लगाने की मांग

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर/गौरेला। मरवाही विधानसभा उपचुनाव के सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रभारी व पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने दावा किया है कि भाजपा प्रत्याशी डॉ. गंभीर सिंह को मरवाही की जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। हम दो दशक बाद फिर से मरवाही में विजय की ओर हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि हम सब पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता से लेकर पदाधिकारी व स्टार प्रचारकों ने मरवाही की जनता के बीच जाकर अपने स्थानीय और संवेदनशील प्रत्याशी डॉ. गंभीर सिंह के समर्थन में व्यापक प्रचार कर समर्थन का निवेदन किया है, जिसे काफी प्रतिसाद मिल रहा है। पूर्व मंत्री व मरवाही विस उपचुनाव प्रभारी श्री अग्रवाल ने कहा कि मरवाही की जनता बदलाव का मन बना चुकी है। पार्टी के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

राज्योत्सव-2020 : सांसद राहुल गांधी की वर्चुअल उपस्थिति में प्रदेशवासियों को मिली कई सौगातें

किसान और मजदूर देश की नींव, इनके हितों की रक्षा जरूरी : राहुल गांधी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के मौके पर लोकसभा सांसद राहुल गांधी की वर्चुअल उपस्थिति में आज राज्य के 19 लाख किसानों के खाते में राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किश्त 1500 करोड़ रूपए अंतरित किए गए। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत एवं मंत्रीगणों की विशेष मौजूदगी में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल योजना और मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत राज्य के 30 नगरीय स्लम एरिया में मोबाइल हॉस्पिटल-सह-लैबोरेटरी का शुभारंभ भी हुआ। समारोह में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, सांसद पी.एल. पुनिया एवं विधायक मोहन मरकाम सहित अन्य विधायकगण, जनप्रतिनिधि एवं जिलों से अन्य लोग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। सांसद राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ के लोगों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसान और मजदूर देश की नींव है। इनके कमजोर होने से देश कमजोर होगा।

छत्तीसगढ़ बन रहा देश का नया मॉडल राज्य

- ■ किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किश्त की राशि 1500 करोड़ रू. अंतरित
- ■ स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल और 30 नगरीय स्लम एरिया में मोबाइल हॉस्पिटल सह लैबोरेटरी का शुभारंभ
- ■ हमारी जनकल्याण की योजनाएं और उपलब्धियां राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित हुई : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

सांसद राहुल गांधी ने कहा कि देश वर्तमान समय में कोविड-19 के कारण मुश्किल दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में जो कमजोर हैं, उन्हें ज्यादा कठिनाई होती है। उन्होंने कहा कि देश में किसानों की हालत किसी से छुपी नही है। किसानों के आत्महत्या की खबरें लगातार आ रही हैं। हमें किसानों और मजदूरों की रक्षा करनी चाहिए, उनके साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर की नींव गांव है और गांव की नींव किसान और मजदूर है। यदि किसान और मजदूर कमजोर होंगे, तो पूरा देश कमजोर हो जाएगा। किसानों और मजदूरों की रक्षा का मतलब देश की रक्षा के साथ-साथ देश की नींव को मजबूत करना और भविष्य को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि इसी तरह देश के भविष्य की नींव बच्चे और युवा हैं। युवाओं को यदि बेहतर अवसर और भविष्य नहीं मिलेगा तो इससे देश कमजोर होगा। सांसद राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों, मजदूरों और गरीबों की भलाई के लिए शुरू की गई राजीव गांधी किसान न्याय योजना तथा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल एवं मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना की तारीफकरते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की ये तीनों योजनाएं नींव को मजबूत बनाने और उसकी रक्षा करने वाली है। इससे पूरे देश को मजबूती मिलेगी। राहुल गांधी ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ ने पूरे देश को रास्ता ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ , हरियाणा , आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल के लोगों को राज्य स्थापना दिवस के मौके पर बधाई दी है। श्री मोदी ने इन राज्यों के लोगों के नाम अलग अलग ट्विट कर उन्हें बधाई दी। उन्होंने ट्वीट में कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों को राज्य के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि प्राचीन काल से विभिन्न संस्कृतियों का केंद्र रहा यह प्रदेश उन्नति और समृद्धि की राह पर आगे बढ़ता रहे।

छग विराट और अनूठी संस्कृति अपने में समेटे है-रमन सिंह

***रायपुर।** छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने प्रदेश के सभी भाई व बहनो को शुभकामनाएं दी। डा. सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ विराट और अनूठी संस्कृति अपने में समेटे है। स्व. अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य की जिस सपने के साथ स्थापना की, हमने 15 साल तक उस सपने को पूरा करने के लिए अथक मेहनत की।*

स्वास्थ मंत्री सिंहदेव हुए होम क्वारंटाइन

नवप्रदेश संवादाता

■ राज्य अलंकरण समारोह में नहीं हो सके उपस्थित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव हुए क्वारेन्टीन। देश में बढ़ते जा रहे हैं कोरोना वायरस के मामले। इसी दौर में कोरोना संक्रमित के संपर्क में आने पर स्वास्थ मंत्री टीएस सिंहदेव ने खुद को सेल्फ क्वारंटीन कर लिया है। स्वास्थ मंत्री ने रविवार को ट्वीट कर जानकारी दी है कि भटगांव विधायक पारस नाथ राजवाड़े कोरोना पॉजिटिव पाए गए है और 29 अक्टूबर को मरवाही यात्रा के दौरान मंत्री उनके संपर्क में आए थे । उन्होंने अपील की है जो भी कुछ दिन पहले विधायक पारस नाथ राजवाड़े के संपर्क में आए है वो मेडिकल एडवाइस लें। आज मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में टीएस सिंहदेव की अनुपस्थिति से लोग सवाल कर रहे थे कि मंत्री रायपुर में होने के बावजूद समारोह के मंच पर दिख नही रहे हैं। अब जाकर उनकी अनुपस्थिति की बात सामने आई है।

सीएम ने 'छत्तीसगढ़ विचार माला' का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर एक नवम्बर को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम 'छत्तीसगढ़ विचार माला' का विमोचन किया। जनसंपर्क विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ विचार माला 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' के अंतर्गत 9 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है। इन पुस्तकों में 'हमारे राम', 'हमारे बापू', 'न्याय विरासत और विस्तार', 'पहल', 'सम्बल', 'आवश्यकता: बोधघाट महत्ता इन्द्रावती', 'जनगणमन की विजयगाथा मनरेगा' तथा 'लोकवाणी आपकी बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

खास- खबर

सुशील डेविड को एएसपी की संविदा नियुक्ति मिली

■ मुख्यमंत्री सुरक्षा में हुए पदस्थ

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गृह विभाग मंत्रालय महानदी भवन से आदेश क्रमांक एफ-2-56/2018/2-गृह/रापुसे/2020 अवर सचिव मनोज श्रीवास्तव द्वारा आज जारी आदेश के अनुसार सुशील डेविड अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 के तहत नियम 4 (3) में निहित प्रावधान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रिक्त पद पर संविदा नियुक्ति एक वर्ष के लिए प्रदाय की गई है। श्री डेविड को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा सेवा में पदस्थ किया गया है। उक्त संविदा नियुक्ति डेविड को सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति के आधार पर प्रदान की गई है।

30 लाख से अधिक का आवास ऋण हुआ सस्ता

मुंबई (वार्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफइंडिया ने 30 लाख रुपए से ज्यादा के आवास ऋण पर ब्याज दरों में 10 आधार अंकों की कटौती की है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस तरह के लोन लेने वाली महिला कर्जदारों को ब्याज में 5 आधार अकों की अतिरिक्त छूट दी जाएगी, जो इस कटौती के अलावा। 31 दिसंबर 2020 तक बैंक में आवास ऋण पर जीरो प्रोसेसिंग चार्ज रहेंगे। ब्याज में यह छूट 1 नवंबर 2020 से लागू हो गयी है। कार और शिक्षा ऋण पर भी कोई प्रोसेसिंग चार्ज नहीं रहेगा। बैंक ने ग्राहकों तक पहुंचने के लिए रिटेल और एमएसएमई लोन के लिए कई अभियान चलाए हैं।

...हम खुद के लिए पैदा नहीं हुए, हम तो आपके लिए जिंदा हैं : मोदी

समस्तीपुर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को लोकतंत्र के लिए समर्पित वहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एवं कांग्रेस को परिवार बचाने का गठबंधन करार दिया तथा जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि वह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद के लिए पैदा नहीं हुए बल्कि वे लोगों के लिए जिंदा हैं।

श्री मोदी ने रविवार को समस्तीपुर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों के पक्ष में आयोजित चुनावी सभा में संबोधन की शुरुआत मैथिली भाषा में की और कहा, ÷महाकवि विद्यापति के मुक्तिस्थल जननायक कर्पूरी ठाकुर के कर्मस्थल, बलवान घाटी के शहीद अमन कुमार की पावन भूमि पर हम आहां सबके प्रणाम करै छी । उन्होंने कहा कि इस बिहार की धरती ने ही पूरी दुनिया और मानवजाति को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया, जिस पर बिहार और पूरे देश को गर्व है। जब जनता के हित में फैसले होते हैं और फैसलों में जनता की सहभागिता होती है तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। आज देश में एक तरफलोकतंत्र के लिए पूर्ण रूप से समर्पित राजग का गठबंधन है वहीं दूसरी ओर अपने निहित स्वार्थ और अपने परिवार के स्वार्थ को पूरा करने के लिए समर्पित पारिवारिक गठबंधन है। श्री मोदी ने राजद और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सवालिया लहजे में कहा कि केवल अपने-अपने परिवार के लिए काम कर रही इन पारिवारिक पार्टियों ने जनता को क्या दिया।

लॉकडाउन के बाद पहली बार जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली(वार्ता)। लॉकडालन के बाद अब धीरे धीरे अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के साथ ही राजस्व संग्रह भी बढ़ने लगा है। इस वर्ष अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 105155 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो पिछले वर्ष के इसी महीने में संग्रहित राजस्व की तुलना में 10 फीसदी अधिक है।वित्त मंत्रालय द्वारा आज यहां जारी जीएसटी संग्रह के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2020 में जीएसटी राजस्व संग्रह 105155 करोड़ रुपये रहा जिसमें सीजीएसटी 19193 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 25411 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 52540 करोड़ रुपये और 8011 करोड़ रुपये क्षतिपूर्ति उपकर शामिल है। आईजीएसटी में 23375 करोड़ रुपये और क्षतिपूर्ति उपकर में 932 करोड़ रुपये आयातित वस्तुओं पर संग्रहित कर शामिल है। वित्त मंत्रालय के अनुसार 31 अक्टूबर तक 80 लाख करदाताओं ने जीएसटीआर 3 बी रिटर्न दाखिल किया है।

भारत बायोटेक 2021 की दूसरी तिमाही में पेश करेगी कोवैक्सीन

नई दिल्ली ए.। दवा बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक कोविड-19 के लिये अपने वैक्सीन (टीके) को अगले साल दूसरी तिमाही में पेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारतीय नियामक प्राधिकरणों से अपेक्षित मंजूरी मिल जाने की स्थिति में कंपनी की यह योजना है। कंपनी फिलहाल देश के विभिन्न स्थानों पर तीसरे चरण के परीक्षण पर ध्यान दे रही है। कंपनी ने इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) के सहयोग से संभावित टीके कोवैक्सीन को विकसित किया गया है। भारत बायोटेक इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक साई प्रसाद ने कहा यदि हम परीक्षण के अपने अंतिम चरण में मजबूत प्रायोगिक साक्ष्य और डेटा, प्रभावकारिता तथा सुरक्षा डेटा स्थापित करने के बाद सभी अनुमोदन प्राप्त करते हैं, तो हम 2021 की दूसरी तिमाही में इसे पेश करने का लक्ष्य रखते हैं।

सात राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में कोरोना से कोई मौत नहीं

नयी दिल्ली (वार्ता)। अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड सहित सात राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से कोई मौत नहीं हुई है। पिछले 24 घंटे में अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, दादरा नगर हवेली और दमन दीव और पुडुचेरी में कोरोना वायरस से कोई मौत नहीं हुई है।

सुखद संयोग विस.अध्यक्ष महंत ने दी माटी पुत्र दिनेश शर्मा को वरियता, प्रदेश के 20 साल के इतिहास में नहीं बना था छग सचिव

छत्तीसगढ़ विधानसभा को मिला छत्तीसगढ़िया

नवप्रदेश संवादाता

अब तक एमपी के थे, अब पहली बार सीजी को मौका

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की उम्र 20 साल पूरी हो गई है। ऐसे में एक 20 साल बाद एक सुखद संयोग भी बना और छत्तीसगढ़ विधानसभा में पहली बार किसी छत्तीसगढ़िया को सचिव पद पर नियुक्ति मिली है। यह ऐतिहासिक फैसला विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत की वजह से संभव हो पाया। आज ही छत्तीसगढ़ राज्य की वर्षगांठ के मौके पर नए विधानसभा सचिव के रूप में दिनेश शर्मा का चयन विस.अध्यक्ष ने किया।

दिनेश शर्मा छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए सचिव होंगे। श्री महंत ने अपर सचिव दिनेश सर्मा को सचिव नियुक्त करने का निर्देश दिया है।

बता दें कि विधानसभा सचिव चंद्रशेखर गंगराडे भारमुक्त होंगे और उनकी जगह नए विस सचिव का पदभार श्री शर्मा लेंगे। यह पहला मौका है जब छत्तीसगढ़ के मूल निवासी विधानसभा के सचिव नियुक्त हुए हैं। यह भी एक सुखद संयोग ही कहा जायेगा कि 1 नवम्बर छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की वर्षगांठ भी है। इस अवसर पर राज्य की सर्वोच्चय प्रजातांत्रिक संस्था और सबसे बड़ी पंचायत के तौर पर विधानसभा में डॉक्टर चरणदास महंत ने एक छतीसगढ़िया अधिकारी की वरीयता को प्राथमिकता दी है।

बता दें कि राज्य निर्माण से लेकर आज तक छत्तीसगढ़ विधानसभा में सचिव के पद पर मूलतः मध्य प्रदेश के ही लोग सचिव रहे। सबसे पहले भगवानदेव इसरानी, फिर देवेन वर्मा और चंद्रशेखर गंगराडे इस महती जिम्मेदारी को निभाते रहे। दिनेश शर्मा अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा में वर्ष 1987 में सीधी भर्ती से द्वितीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए। इसके पश्चात वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद बंटवारे में उनकी सेवाएं छत्तीसगढ़ विधानसभा को मिली।

श्री शर्मा अवर सचिव, उपसचिव, और अपर सचिव के पद पर रहे। वे अपनी प्रशासनिक एवं संसदीय कार्यकुशलता से सभी को प्रभावित भी किए। छत्तीसगढ़ विधानसभा के सचिव बनाए जाने के उपरांत श्री शर्मा ने अपनी प्रतिक्रिया में सबसे पहले विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत जी के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि माननीय अध्यक्ष जी ने जो मुझे अवसर दिया है मेरी पूरी कोशिश होगी कि मैं उनकी अपेक्षा के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य विधानसभा की श्रेष्ठता को संवर्धित करने का निरंतर प्रयास करूंगा, मेरी पहली और आखिरी प्राथमिकता अध्यक्ष की कल्पना को मूर्त रूप प्रदान करना होगा। मेरा यह पूर्ण विश्वास है की माननीय अध्यक्ष के निर्देश और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हमारी छत्तीसगढ़ विधानसभा उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगी।

हरप्रीत सिंह : 110 साल में भारतीय एअरलाइन प्रमुख बनी पहली महिला

नई दिल्ली ए.। देश की आधी आबादी धीरे-धीरे अपने पंख खोल रही है और नागर विमानन के क्षेत्र में भी उसकी असरदार भागीदारी नुमाया होने लगी है। एअर इंडिया में पहली महिला पायलट हरप्रीत ए डी सिंह ने 32 बरस पहले इस क्षेत्र में महिलाओं के लिए रास्ता बनाने का काम किया था और अब उन्होंने सरकारी विमानन सेवा की क्षेत्रीय सहायक इकाई अलायंस एअर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनकर उसमें मील का एक पत्थर जोड़ दिया है। प्रेस सूचना ब्यूरो के पुराने रिकॉर्ड में 8 मार्च 2011 की एक तस्वीर दिखाई देती है, जिसमें तत्कालीन सूचना और प्रसारण मंत्री अंबिका सोनी नागर विमानन शताब्दी समारोह के सिलसिले में एअर इंडिया की एक अधिकारी को सम्मानित कर रही हैं। महिला दिवस के मौके पर मंत्री के हाथों सुनहरी पट्टिका लेने वाली यह महिला हरप्रीत सिंह हैं, जिन्हें महिला सशक्तीकरण की मिसाल होने के साथ ही एअर इंडिया का चेहरा होने का गौरव भी हासिल हुआ। हरप्रीत सिंह को 1988 में एअर इंडिया में महिला पायलट के तौर पर नियुक्त किया गया।

निगम में सात हजार में मिल रहा है गोमाश्ता लायसेंस

रकम नही देने वाले को लगाना पड़ रहा है चक्कर

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। नगर निगम में गोमाश्ता लायसेंस के नाम पर बड़े पैमाने पर वसूली किए जाने का मामला सामने आया है। नागरिकों की शिकायत है कि प्रत्येक लायसेंस के नाम पर 5 से 7 हजार रुपए मांगे जा रहे है। जो रकम दे रहा है उनका लायसेंस बनाकर दिया जा रहा है और जो देने से इंकार कर रहा है उसे नियम कानून का हवाला देकर घुमाया रहा है।

परिणाम स्वरुप आम जनता बेहद परेशान है।

उक्ताशय के संदर्भ में मिली शिकायत में कहा गया है कि अगस्त से अक्टूबर तक नगर निगम द्वारा तीन माह के अंतराल में लगभग साढ़े 7 सौ 8 सौ गोमाश्ता लायसेंस बनाकर दिए गए है। इन सभी लायसेंस के नाम पर प्रत्येक लोगों से 5 से 7 हजार रुपए की वसूली की गई है और उन्हे लायसेंस बनाकर दे दिया गया है। शिकायतकर्ताओ का दावा है कि इनमें अधिकतर ऐसे लोग शामिल है जिनके दस्तावेजों का कोई अता-पता नही है और कई ऐसे भी है जिन्होने अधूरे दस्तावेज जमा कराए है। लेकिन वसूली के एवज में उनका लायसेंस बन गया है। इसके अतिरिक्त जिन लोगों ने नियमानुसार सार दस्तावेज जमा कराए है और अतिरिक्त पैसा देने से मना किया है उन्हे तीन महीने से घुमाया जा रहा है। शिकायत में कहा गया है कि गोमाश्ता लायसेंस बनाने वाले को स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता अपने पास बुलाते है। नगर निगम में पहले लायसेंस विभाग यह काम करता रहा है लेकिन स्वास्थ्य विभाग के गहरे दखल से लायसेंस शाखा के कर्मचारी परेशान है।

यहां गौरतलब है कि लायसेंस बनाने का मामला सीधे तौर पर आम जनता से जुड़ा हुआ है। 20 वर्ष के लंबे अतंराल के बाद नगर निगम में कांग्रेस सत्तासीन हुई है। शहर की जनता ने बड़ी उम्मीदो के साथ राहत मिलने की संभावना के चलते इस बार परिवर्तन करके कांग्रेस को अवसर दिया है। लेकिन कांग्रेस की परिषद आम जनता को राहत पहुंचाने की दिशा में कमजोर साबित हो रही है। इससे विधायक अरुण वोरा की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। गोमाश्ता लायसेंस के नाम पर ली जा रही राशि किसके पास जा रही है और यह सब किसके इशारे पर हो रहा है यह जांच का विषय है। लेकिन नगर निगम में गोमाश्ता लायसेंस के नाम पर लोग भारी परेशान है। निगम आयुक्त इन्द्रजीत बर्मन से इस मामले में पहल करने की मांग की गई है।

पैसा मांगने की जांच करुंगा : गुप्ता

निगम के स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता का कहना है कि गोमाश्ता लायसेंस के नाम पर यदि कोई पैसे की मांग कर रहा है तो इसकी जांच कराऊंगा। उन्होने कहा कि लायसेंस शाखा स्वास्थ्य विभाग के अधीन है स्वास्थ्य विभाग द्वारा किसी से भी पैसे की मांग नही की जा रही है।

न्यूज गैलरी

पटरीपार का होगा सम्पूर्ण विकास

दुर्ग। शहर के महापौर धीरज बाकलीवाल ने आज पटरीपार क्षेत्र का भ्रमण कर सुविधाओं और समस्याओं की जानकारी ली। महापौर ने एफसीआई गोदाम से बायपास रोड तक धमधा मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पटरीपार के इलाके में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। विधायक अरुण वोरा का मार्गदर्शन लेकर पटरीपार के पार्षदों से रायशुमारी कर इस इलाके का समग्र विकास किया जाएगा। बाकलीवाल ने कहा कि एफसीआई गोदाम की दीवारों पर छत्तीसगढ़ी कलाकृति उकेरी जाएगी। इसके आगे कृषि उपज मंडी के सामने सड़क किनारे छत्तीसगढ़ी लोक कला और संस्कृति से जुड़ी प्रतिमाएं स्थापित कर सौंदर्यीकरण होगा।

आज पुतला दहन

दुर्ग। मुख्यमंत्री बघेल द्वारा मरवाही विधानसभा चुनाव प्रचार में भाजपा के पूर्वजो पर अंग्रेजो के मुखबिर होने के स्तरहीन आरोप लगाए जाने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने पूरे राज्य में विरोध प्रारम्भ कर दिया है। प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर कल दुर्ग संभाग मुख्यालय में भी जिला भाजयुमो द्वारा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन किया जाएगा। भाजयुमो ने कहा कि विजयादशमी के दिन कांग्रेस के छात्र संगठन द्वारा पटेल चौक में प्रधानमंत्री का पुतला व मुख्यमंत्री की बयानबाजी के विरोध में यह कार्यक्रम प्रदेश के हर जिले में आयोजित किया जा रहा है। जिला भाजयुमो अध्यक्ष दिनेश देवांगन ने यह जानकारी दी है।

मुख्यमंत्री ने किया इंग्लिश मीडियम स्कूल का लोकार्पण

आकर्षक साज-सज्जा के साथ गार्डन भी तैयार

नवप्रदेश संवाददाता

कुम्हारी। छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग द्वारा इंग्लिश मीडियम स्कूल योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में सांसद राहुल गांधी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कर कमलों द्वारा स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल का बटन दबाकर ऑनलाइन प्रदेश के प्रथम स्कूल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विद्यालय को भव्य तरीके से सजाया गया था इस लोकार्पण समारोह को देखने के लिए नगर के नागरिकों में भारी उत्सुकता थी। लोकार्पण कार्यक्रम का प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रसारण

किया। छग राज्य गठन दिवस 1 नवंबर के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री द्वारा नगरवासियों को तथा प्रदेश की जनता को शुभकामनाओं के साथ गढ़बो नवा छग के नौनिहालों में शिक्षा का अलख जगाने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयासों को मूर्त रूप देते हुए स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल का आत्मीय लोकार्पण कर सौगात प्रदान किया गया । इस अवसर पर मुख्यमंत्री की सुपुत्री स्मिता बघेल एवं सुपुत्र चैतन्य बघेल विशेष रुप से सम्मिलित हुए। जिससे नगर की जनता में उल्लास का दोगुना संचार हो गया। स्मिता बघेल ने वासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता को शिक्षा के क्षेत्र मे अपने बच्चों की शिक्षा के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा साथ ही शिक्षा की उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए शिक्षकों को भी प्रोत्साहित किया। नगर पालिका अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर ने अपने संबोधन में कहा कि अत्यंत अल्प अवधि में क्षेत्र की जनता को यह उपहार दिलाने में पूरे टीम ने अपना भरपूर सहयोग कर प्रदेश का प्रथम इंग्लिश मीडियम स्कूल मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कांग्रेस के हाथों नगर वासियों को समर्पित किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि शैक्षणिक स्तर की दृष्टि से यह विद्यालय किसी भी निजी विद्यालय की अपेक्षा बेहतर ही साबित होगा यह स्कूल गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार तथा उनके बच्चों के लिए शुभ अवसर प्रदान करेगा।

महापौर बने राज्योत्सव कार्यक्रम के साक्षी

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा आज 21 वें राज्य स्थापना दिवस का शुभारंभ मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल उत्सव का शुभारंभ किया। जिसका महापौर धीरज बाकलीवाल तथा महापौर परिषद के सभी सदस्य व पार्षदगण भी साक्षी बने। वर्चुअल उत्सव शुभारंभ अवसर पर मंत्री टीएस सिंह देव, ताम्रध्वज साहू, रविंद्र चौबे, मोहम्मद अकबर, प्रेमसाय सिंह, शिवकुमार डहरिया, अनिला भेड़िया, उमेश पटेल सहित अनेक विधायक गण उपस्थित थे।

महापौर बाकलीवाल ने बताया वर्चुअल उत्सव शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने प्रमुख रूप से 3 योजनाओं में किसान या योजना की तीसरी किस्त का अंतरण किए तथा

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल योजना और मुख्यमंत्री शहरी स्वास्थ्य योजना का भी शुभारंभ किए। उन्होंने इस महत्वकांक्षी योजनाओं के को प्रदेश की जनता को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी के हाथों लोकार्पित किया। कार्यक्रम में सभी जिला ब्लाक के प्रमुख जनप्रतिनिधि एनआईसी के माध्यम से उपस्थित रहे। जिला मुख्यालय एनआईसी सेंटर में श्रीमती यादव अध्यक्ष जिला पंचायत, देवेंद्र देशमुख अध्यक्ष जनपद पंचायत, हिरवानी अध्यक्ष नगर पंचायत उतई, गया पटेल तथा राधेश्याम शर्मा सहित जिला प्रशासन की ओर से नया तहसीलदार उपस्थित रहे।

राज्योंत्सव में आकर्षि, शिव व शहाना सम्मानित

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री निवास रायपुर में राज्य अलंकरण, लोकार्पण व वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सांसद राहुल गांधी व राज्यपाल सुश्री अनुसूइया उइके ने वीडियों कांफ्रेसिंग के जरिए बतौर अतिथि वर्चुअल उपस्थिति दर्ज करवाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विस अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक के अलावा मंत्रीगण, सांसद व विधायकगण शामिल हुए। इस वर्ष का राज्य स्थापना दिवस के लिए विशेष खुशियां लेकर आई है। क्योंकि दुर्ग से एक नहीं बल्कि तीन नाम राज्य अलंकरण के लिए नामांकित किए गए है। इन तीनों नामों में अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी आकर्षि कश्यप (गुंडाधुर सम्मान), लोक कलाकार शिवकुमार दीपक (दाउ मंदराजी सम्मान) और समाजसेविका शहाना कुरैशी (मिनीमाता सम्मान) शामिल है। शहर को गौरांवित करने वाले इन तीनों हस्तियों को रविवार को राज्योत्सव में सम्मानित किया गया।

87 वर्ष के शिव ने रामलीला से की अभिनय की शुरुवात

दाऊ मंदराजी राज्य अलंकरण से सम्मानित पोटियाकला निवासी शिवकुमार दीपक हास्य कलाकार के रूप में चर्चित नाम है। रामलीला और कृष्णलीला से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले इस कलाकार को वर्ष 1977 में छत्तीसगढ़ी लोकमंच चंदैनी गोंदा के संस्थापक रामचंद्र देशमुख ने ब्रेक दिया। उसके बाद इस कलाकार ने लोककला के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई। विभिन्न भाषाओं की लगभग 100 से अधिक फिल्मों में कार्य किया। हरेली, लोरीक चंदा, सोनहा बिहान, नवा बिहान से लेकर छत्तीसगढ़ी फिल्म घर.द्वार, कही देबे संदेश, फिल्मी यात्रा, 100 से अधिक हिंदी, छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी, मालवीय, कश्मीरी अन्य फिल्मों में रोल किया।

विधायक की पहल पर हॉस्पिटल सेक्टर हुआ रौशन

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। महापौर एवं विधायक देवेंद्र यादव की पहल पर सेक्टर 9 वार्ड 68 के क्षेत्रों में सोलर एलइडी लाइट लगाई गई है जिसकी रोशनी से पूरा वार्ड क्षेत्र प्रकाशमान हो गया है। सोलर एलइडी लाइट लगाने की यह योजना अनुसूचित जाति बाहुल्य के क्षेत्रों के लिए है। महापौर श्री यादव ने शासन की इस योजना का लाभ अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र के रहवासियों को दिलाने के लिए आदिम जाति कल्याण विभाग को पत्र प्रेषित कर पहल किया था। निगमायुक्त ऋतुराज

रघुवंशी ने विभाग से स्वीकृति मिलने के बाद जल्द ही कार्य आदेश जारी करने के निर्देश जोन क्रमांक 5 के अधिकारियों को दिए थे। जिसके मुताबिक कार्य आदेश जारी कर कार्य पूर्ण कर लिया गया। 17 लाख 80 हजार की लागत से 47 नग पोल सहित सोलर एलइडी लाइट लगाई गई है। एक एलईडी लाइट 24 वाट केपेसिटी की है। 6 मीटर लंबा पोल में लगा हुआ यह लाइट वार्ड क्षेत्र को रोशन कर रहा है। विद्युत की बचत के साथ ही 5 साल का फ्री मेंटेनेंस भी सोलर एलइडी लाइट होने के कारण विद्युत कनेक्शन की आवश्यकता नहीं है जिससे विद्युत की बचत होगी साथ ही इसकी खासियत यह है कि सूर्य की किरणें पड़ने के साथ ही यह लाइट ऑटोमेटिक बंद हो जाती है और शाम को अंधेरा होते ही स्वयं चालू हो जाती है। इसमें लगे हुए बैटरी सूर्य के प्रकाश से चार्ज होते हैं और वार्ड 68 के क्षेत्रों को भरपूर रोशनी प्रदान कर रहे हैं। 5 साल की वारंटी के साथ इसका मेंटेनेंस भी फ्री में होगा इसके लिए मैसर्स चार्टर्ड इंजीनियर एंड ट्रेडिंग इंटरप्राइजेज को कार्य आदेश दिया गया।

स्लम क्षेत्र में मोबाईल मेडिकल वाहन से फ्री में इलाज

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई.03। नगर पालिक निगम भिलाई.चरौदा में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजनांतर्गत अब पूरे 40 वार्डों में शासन द्वारा प्रदत्त मोबाईल मेडिकल वाहन से फ्री में इलाज का सपने साकार होंगे। निगम क्षेत्र के स्लम क्षेत्र में निवासरत गरीबों के लिए यह वरदान साबित होगा। प्राथमिक स्तर पर 02 नवंबर 2020 से छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस मोबाईल मेडिकल वाहन का शुभारंग किया जायेगा। जिसके द्वारा हिमोग्लोबिन, रक्तचाप, शुगर आदि जांच कर उचित उपचार एवं पारमर्श प्रदान किये जायेंगे। शासन द्वारा प्रदत्त मोबाईल मेडिकल वाहन से लगातार पूरे सप्ताह अलग.अलग वार्डों के अस्वस्थ्य लोग जिन्हें चलने फिरने में परेशानियों का समना करना पड़ता है वे इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। यह वाहन पूरी तरह से वातानुकुलित है और खड़े गाड़ी पर 07 फीट तक टेंट जैसा छायादार करने की भी व्यवस्था है। इस व्यवस्था का लाभ शासन की पहल से आम लोगों को मिल रहा है।

पटेल के जन्मदिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रुप में मनाया

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। भारत के पहले उप प्रधानमंत्री व गृहमंत्री दिवंगत सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। अपर कलेक्टर व निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश व नोडल अधिकारी रमाकांत साहू के मार्गदर्शन में सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए शपथ लिया। इस अवसर पर देवेन्द्र वर्मा, कार्यपालन अभियंता आरके साहू, सहायक अभियंता बीके सिंह, अधीक्षक व लेखा अधिकारी देवव्रत देवांगन, उपअभियंता हिमाशु कावड़े, अखिलेश गुप्ता, हरचरण सिंह अरोरा, जगरनाथ कुशवाहा, गोपाल सिन्हा, बिजेन्द्र परिहार, ओंकार यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

बघेल के नेतृत्व में नई ऊंचाईयां छू रहा है राज्य : वोरा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के चेयरमेन अरुण वोरा ने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा है कि पिछले 22 माह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य में हर वर्ग के लोगों के हितों के लिए अभिनव योजनाएं लागू की गई। समाज के कमजोर वर्ग के लोगों, किसानों, आदिवासियों, श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखकर उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने का प्रयास किया गया। वोरा ने कहा कि दो साल से भी कम कार्यकाल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जितने जनकल्याणकारी कार्य किए हैं उससे छग तरक्की और विकास की नई ऊंचाईयां स्पर्श कर रहा है। वोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल के

नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में 25 सौ प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का फैसला, 17 लाख 82 हजार किसानों का 8 हजार 755 करोड़ का कृषि ऋण और 244 करोड़ का सिंचाई कर माफ करने का फैसला किया गया। गांवों की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ करने नरवा, गरुवा, घुरुवा, बारीश जैसी अनूठी योजना लागू की गई। गोधन न्याय योजना लागू कर 2 रुपए प्रति किलो की दर से गोबर खरीदी की व्यवस्था के तहत 39 करोड़ रुपए का भुगतान पशुपालकों को किया जा चुका है। इन फैसलों और अनूठी योजनाओं की चर्चा न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया में हो रही है। वोरा ने कहा कि संवेदनशील मुख्यमंत्री के निर्देश पर बस्तर के लोहंडीगुड़ा में 1700 से अधिक आदिवासी किसानों की 4200 एकड़ जमीन वापस की गई। तेन्दूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक 2500 रूण् प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 4000 रुपए करने के साथ ही 31 वनोपज की खरीदी समर्थन मूल्य पर करने का फैसला किया गया। वन अधिकार पट्टा देने में छत्तीसगढ़ पूरे देश में सबसे आगे हैं।

अनूठी पहल... पर्यावरण हितवा संगवारी रोमशंकर जन्मदिवस पर वर्षो से कर रहे है वृक्षारोपण...

कलेक्टर व एसपी के आतिथ्य में पौधरोपण की शुरुआत

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। पर्यावरण के लिए समर्पित रहकर कार्य करने वाले हितवा संगवारी के संयोजक रोमशंकर यादव ने अपनी जन्मदिन की 50वीं जन्मदिन की 50वीं वर्षगांठ पर 50 पौधरोपण करने की अनूठी पहल की है। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे, एसपी प्रशांत ठाकुर के आतिथ्य मे इस पौधरोपण की शुरुआत की। श्री यादव का जन्मदिन 6 नवंबर को है जिस दिन वे 50 पौधरोपण का लक्ष्य पूरा करेंगे। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में विशिष्ट योगदान देने वालों को पर्यावरण हितवा संगवारी सम्मान से सम्मानित किया। यहां बताना लाजमी है की

रोमशंकर यादव पिछले 14.15 सालों से अपने जन्मदिन पर 15 सालों से पौधरोपण करते आ रहे हैं। साथ ही अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन पर भी वे पिछले कई वर्षो से पौधरोपण कर रहे हैं। यही नहीं शादी के सालगिरह, पितृपक्ष में पितरों की स्मृति में भी पौध रोपण किए जाते हैं। उनके द्वारा शादी, जन्मदिन, नामकरण, संस्कार व गृह प्रवेश आदि मांगलिक अवसरों पर पौधे उपहार में भेंट किया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर एवं एसपी द्वारा बरगद के पौधे की पुजा अर्चना कर की गई साथ ही रक्षा सूत्र बांधे। इसके पश्चात 50 पौधरोपण अभियान का पौधे रोपित कर शुभारंभ किये। साथ ही कलेक्टर भूरे ने हितवा संगवारी द्वारा किये जा रहे प्रयास की सराहना करते हुए पौधों की संरक्षण के लिए हितवा संगवारी संस्था को 1 लाख देने की घोषणा किये। संस्था द्वारा कलेक्टर डॉ भूरे को हितवा संगवारी अभ्यारण को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने, शमशान घाट एवं गार्डन में रिवाल्विंग गेट लगाने और रखरखाव के लिये कर्मचारी की मांग रखी। इस दौरान डॉ मोनिका चावले, पर्यावरण प्रेमी गेंदलाल देशमुख, पत्रकार पुनीत कौशिक, लोकगायक खुमान सिंह यादव, समाज सेवी सुभाष साव ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वालों को पर्यावरण हितवा संगवारी सम्मान से सम्मानित किया। गौरतलब हो कि पर्यावरण हितवा संगवारी द्वारा 23 साल से पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रयास की जा रही है। 6 लाख से अधिक पौधों जिसे बीएसपी द्वारा रोपा गया है उसका संरक्षण कर चुके है। साथ ही उनके प्रयास से 2 लाख नये पेड़ तैयार हुए हैं इस तरह हितवा संगवारी अपने हितवा संगवारी अभ्यारण में लगभग साढ़े आठ लाख पेड़ो को बचाकर रखें इसमें उन्होंने लगभग 50 हजार सागौन के पेड़ो को पुनर्जीवित किया। रोमशंकर मंडला डिंडोरी के जंगल मे जल जंगल जमीन को लेकर आयोजित संवाद यात्रा भी वर्ष में किये थे वहीं वर्ष 2004.05 में खारुन नदी के उद्गम पटेचुआ से खारुन संगम स्थल सोमनाथ तक लगभग ढाई सौ किलोमीटर पदयात्रा किये थे इसी वर्ष 2004.05 के लिए नेहरू युवा केन्द्र द्वारा जिला युवा पुरस्कार से सम्मानित किये गए।

मौके पर प्रमुख रूप से ज्ञान प्रकाश साहू, ललित वर्मा, खेमराज चन्द्राकर, मोतीलाल साहू, प्रेमनारायण वर्मा, बीआर मौर्य, बलराम यादव, किशन हिरवानी, घनश्याम गजपाल, ओमप्रकाश यादव, हरीश साहू, दौलत साहू, मुकुंदराम यादव, दुर्गेश साहू, बलराम वर्मा, डालेश यादव, डोमन साहू, विश्व कुमार, होरीलाल देवांगन, शरद यादव, सुमन क्षत्रिय, कामदेव साहू, इन्द्रमन साहू आदि उपस्थित थे।

श्री महावीर जैन कोविड केयर सेंटर आज करेगी सम्मान

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। सकल जैन समाज द्वारा चंद्रशेखर आजाद छात्रावास मालवीय नगर में संचालित श्री महावीर जैन कोविड केयर सेंटर ने कोरोना संकटकाल में मरीजों की सेवा की बड़ी मिशाल पेश की है। कोविड केयर सेंटर की सेवा का 2 नवंबर को अंतिम दिन है। इस अवसर को यादगार बनाने सकल जैन समाज द्वारा जलाराम वाटिका पुलगांव नाका में सुबह साढ़े 10 बजे समापन समारोह का आयोजन किया है। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, सभापति राजेश यादव, कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे, सीएमएचओ डॉ. गंभीर सिंह ठाकुर, आयुक्त इंद्रजीत बर्मन, एसडीएम खेमलाल वर्मा अतिथि होंगे। श्री महावीर जैन कोविड केयर सेंटर ने कोरोना पीड़ितों को निरूशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई है। पिछले 45 दिनों में इस कोविड सेंटर से कई मरीज पूर्ण स्वस्थ होकर घर वापस लौटे है। मरीजों द्वारा भी सेंटर की चिकित्सकीय सुविधाओं व स्टॉफ की सेवाभाव की प्रशंसा की गई है। कोविड सेंटर के संचालन में संयोजक डॉ. डीसी जैन, सह संयोजक दिनेश मारोटी, कोषाध्यक्ष दिलीप गोगड़, सदस्य मदन जैन, बृजमोहन खंडेलवाल, उत्तम बरडिया़, विमलेश कोचर, महेन्द्र दुग्गड़, प्रकाश गोलछा, कमलेश बैद, अजय श्रीश्रीमाल, कमलेश ढेलड़िया के अलावा अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

न्यूज गैलरी

इस्पात कंपनी में आक्सीजन पाईप फटा, एक घायल

रायपुर। राजधानी के उरला थाना क्षेत्र में स्थित ईश्वर इस्पात कंपनी के फैक्ट्री में शनिवार को आक्सीजन पाईप फटने से एक कर्मी बुरी तरह घायल हो गया, जिसे उपचार हेतु कालड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना 31 अक्टूबर की देर रात की है। पुलिस ने इस मामले में कंपनी प्रबंधक के खिलाफ धारा 287, 337 के तहत अपराध दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि कंपनी प्रबंधक द्वारा बिना सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराये घायल कर्मी से काम लिया जा रहा था। घायल कर्मी का नाम कन्हैया पिता छोटेलाल यादव 21 वर्ष है।

कंपनी के बाहर रखे 4 टन स्पंज आयरन चोरी

रायपुर। कंपनी के बाहर रखे 4 टन स्पंज आयरन किसी ने चोरी कर लिया। घटना की रिपोर्ट शनिवार को उरला थाने में दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार अग्रवाल स्ट्रेक्चर कंपनी उरला डिलेन्द्र भगत आयु 38 वर्ष पिता जन्नुजी भग ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि 27 से 28 अक्टूबर के मध्य कंपनी के बाहर खुले में रखे 4 टन स्पंज आयरन कीमत 60 हजार को किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर ले गया है। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ 379 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

गर्भ ठहरने पर आरोपी ने किया शादी से इंकार

रायपुर। शादी का प्रलोभन देकर पहले लगातार शारीरिक संबंध बनाया फिर दो माह का गर्भ ठहर जाने की बात सुनकर शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़ित युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 22 वर्षीय पीड़िता ने आरंग थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी पप्पू उर्फ प्रेम कुमार मारकण्डे 22 वर्ष ने शादी का प्रलोभन देकर पीड़िता के साथ अगस्त माह से उसे अपने पास रखकर लगातार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस बीच पीड़िता का जब दो माह का गर्भ ठहर गया तो आरोपी ने बच्चा नहीं होना कहकर शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा 376, 323 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

आईपीएल मैच में सट्टा खिलाते पांच गिरफ्तार

रायपुर। शहर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने शनिवार की रात में आई.पी.एल-2020 क्रिकेट मैच में सट्टा खिलाते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से सट्टा-पट्टी सहित नगदी 4 हजार, 14 नग मोबाईल फोन व 01 नग लैपटाप जब्त किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मुम्बई इंडियन्स बनाम देलही कैपिटल्स के बीच चल रहे मैच में कुछ लोगों द्वारा क्रिकेट सट्टा संचालित किया जा रहा है। इस सूचना पर सायबर सेल और थाना राजेन्द्र नगर की संयुक्त टीम ने मौके पर जाकर छापा मारा। कार्यवाही के दौरान मौके से क्रिकेट सट्टा खिलाते अनिल लालवानी, राहुल कटारे, संतोष उर्फ शुभम वाधवानी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में धारा 4क जुआ एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर अग्रिम कार्यवाही किया गया।

जुआ खेलते 6 गिरफ्तार, 57 हजार जब्त

रायपुर। जुआ खेलने की सूचना पर पुलिस ने 6 जुआरियों को गिरफ्तार कर उनके पास से नगदी रुपयें एवं ताश की 52 पत्ती जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर राजेन्द्रनगर पुलिस ने सांईश्रद्धा अपार्टमेंट की छत पर महावीरनगर में जुआ खेलने की सूचना पर छापामारकर रेड की कार्रवाही के दौरान 6 लोगों को जुआ खेलते घेराबंदी कर गिरफ्तार किया है। पकड़े गए जुआरियों के पास से नगदी 57 हजार 230 रुपयें एवं ताश की 52 पत्ती जब्त किया है।

मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं बोर्ड के टॉपरों को दी सौगात

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित राज्य स्थापना दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2020 की 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा के टॉपर विद्यार्थियों को उनके उत्साहवर्धन के लिए टेबलेट, लैपटाप एवं उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की। टॉपर विद्यार्थियों को लैपटाप एवं टेबलेट राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा एवं संगठन की ओर से प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर टॉपर विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में 12वीं बोर्ड के टॉपर टिकेश वैष्णव मुंगेली को लैपटाप सहित 5 लाख रूपए की आर्थिक सहायता उच्च शिक्षा के लिए दी गई। 10वीं बोर्ड की टॉपर प्रज्ञा कश्यप मुंगेली तथा 10वीं बोर्ड की मेरिट पांचवा स्थान प्राप्त करने वाले सिवनी अभनपुर के विरेन्द्र तारक को उपहार स्वरूप टेबलेट प्रदान किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, संदीप दुबे, आनंद पाण्डेय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सीएम ने किया शासकीय प्रकाशनों के संग्रह पोर्टल का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्योत्सव के अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों सहित जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर प्रकाशित पुस्तकों प्रशासकीय प्रतिवेदनों एवं अन्य प्रकाशनों के संग्रहण के लिए तैयार वेब पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के माध्यम से सभी पुस्तकों का अवलोकन अध्ययन ऑनलाईन किया जा सकेगा।

अटल के अटल इरादों से छत्तीसगढ़ विकसित हुआ : अशोक बजाज

रायपुर। विकासखंड के ग्राम सकरी में सहकारी समिति अभनपुर द्वारा नवनिर्मित 2000 मेट्रिक टन के खाद गोदाम का लोकार्पण अपेक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज के कर कमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर छत्तीसगढ़ राज्य के विकास के नींव रखी। अटल जी के अटल इरादों का ही परिणाम है कि आज छत्तीसगढ़ विकसित राज्य के रूप में दृष्टिगोचर हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद 20 वर्षों में राज्य का अनवरत विकास हुआ तथा गांव गांव में सुविधाओं का विस्तार हुआ । इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा , उपाध्यक्ष पुराणिक राम साहू, सरपंच पुष्पा देवी साहू, जनपद सदस्य प्रतिनिधि कमलेश टंडन, पूर्व सरपंच नीलमनीष टंडन, सुदेश दीवान, प्यारे लाल साहू, डायमन साहू के अलावा भारी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

भारत गैस कंपनी ऑनलाइन बुकिंग में उपभोक्ता से ओटीपी नंबर पूछकर ही गैस रिफिल करेगी बुक

रायपुर। केंद्रीय गैस एवं पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश पर एक नवंबर से भारत गैस के उपभोक्ताओं द्वारा गैस रिफिल बुकिंग करने के नियमों में परिवर्तन किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार अब हितग्राही उपभोक्ता आनलाइन बुकिंग के आधार पर गैस रिफिल बुक नहीं करा सकेंगे। गैस कंपनी द्वारा ऑन लाइन बुकिंग पर हितग्राही उपभोक्ता से ओटीपी नंबर मोबाइल पर दर्ज होने पर उसकी जानकारी एजेंसी संचालक को देने पर ही गैस रिफिल बुक हो सकेगी। नये नियम के चलते भारत गैस के उपभोक्ताओं को आज रविवार होने के कारण गैस रिफिल प्राप्त करने में परिवर्तन की जानकारी नहीं होने पर तकलीफों का सामना करना पड़ा। ओटीपी नंबर पूछने के मामले को लेकर कई उपभोक्ताओं ने संशय की स्थिति देखी गई। ज्यादातर उपभोक्ताओं का कहना था कि मोबाइल पर ऑनलाइन बुकिंग करने के बाद ओटीपी नंबर पूछने के उपरांत उनके खाते से राशि निकल जाने का अंदेशा है। वहीं भारत गैस एजेंसी के अधिकतर संचालकों को नियम की पूर्ण जानकारी नहीं होने के कारण उपभोक्ताओं के समक्ष स्थिति स्पष्ट नहीं करने के कारण अनिश्चितता की स्थिति का सामना करना पड़ा।

हिंदुस्तान में आखिर न्याय पाना इतना मुश्किल क्यों?

रायपुर। हिंदुस्तान में हर रोज बेलगाम बढ़ रहे अपराधों की वजह से हर इंसान के मन में ये सवाल जरूर आता है कि आखिर क्यों अपराध इतने बेहिसाब तरीके से बढ़ रहे है और न्याय मिलने की रफ्तार दिन प्रतिदिन धीमी क्यों हो रही। एनजेडीजी (नेशनल ज्यूडिशल डाटा ग्रिड) की माने तो हमारे देश की कोर्ट्स में 4 करोड़ से अधिक केस लंबित है । भारत में 2019 के अंत तक हर एक लाख भारतीयों पर 241.2 अपराध दर्ज किए गए हैं तो अगर पूरे देश का अपराध रेट निकाला जाए , तो पूरे साल में भारत में 3253700 अपराध दर्ज किए जाते हैं , जो कि एक चिंता का विषय है , पर ये बातें सिर्फ बातों में रह जाती है क्योंकि जो असल वजह है , उस पर कोई बात नहीं करता , और वजह है अपराधों की जांच में सही तरीको का इस्तेमाल न करना और इसी वजह से जांच सालो साल चलती रहती है और अपराधी के इरादों को मजबूती मिलती रहती है ,कई बार अपराध करने पर भी अपराधी आसानी से आजाद हो जाता है क्योंकि सही समय पर सही सबूत नहीं मिल पाता।

भाजपा का प्रदेश सरकार से सवाल-

'गुरु घासीदास अलंकरण' घोषित क्यों नहीं किया गया?

■ **अजा.मोर्चा ने पूछा क्यों इस श्रेणी के अलंकरण को बंद किया गया-मार्कंडेय**

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। भाजपा अजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक श्री मार्कंडेय ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस पर प्रारंभ से ही यह अलंकरण घोषित कर सामाजिक चेतना व दलित उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा के लिए सम्मानस्वरूप भेंट किया जाता रहा है, लेकिन इस वर्ष यह अलंकरण घोषित नहीं किए जाने के कारण प्रदेश सरकार की नीयत पर सवाल उठ रहा है। श्री मार्कंडेय ने पूछा कि क्या प्रदेश सरकार ने इस श्रेणी के अलंकरण को बंद कर दिया है? और यदि नहीं, तो यह स्पष्ट करना चाहिए कि इस वर्ष राज्य स्थापना दिवस पर इस अलंकरण की घोषणा क्यों रोकी गई है? अन्य सभी क्षेत्रों की श्रेणियों के लिए जब अलंकरणों की घोषणा कर दी गई है तब 'गुरु घासीदास अलंकरण' की घोषणा नहीं किए जाने से अनुसूचित जाति समाज स्वयं को काफी मर्माहत व अपमानित अनुभव कर रहा है।

भाजपा अजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक श्री मार्कंडेय ने कहा कि गुरु घासीदास प्रदेश में अनुसूचित जाति के महान संत व प्रेरणा पुरुष रहे हैं और उनके प्रति लाखों सामाजिक जनों की असीम श्रद्धा है जो सतनाम पंथ के अनुयायी हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर सामाजिक सुधार के क्षेत्र में सक्रिय हैं। श्री मार्कंडेय ने कहा कि समाज ने इस वर्ष गुरु घासीदास के नाम पर दिए जाने वाले अलंकरण की घोषणा नहीं किए जाने पर आक्रोश जताते हुए उक्त अलंकरण को अघोषित तौर पर बंद कर दिए जाने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश अजा मोर्चा की मांग है कि प्रदेश सरकार इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट कर तत्काल 'गुरु घासीदास अलंकरण' की घोषणा करे अन्यथा भाजपा अजा मोर्चा उग्र आंदोलन करेगा, जिसकी पूरी ज़वाबदारी राज्य सरकार की होगी।

नई सौगात...

रायपुर। अब लोग ले सकेंगे बूढ़ा तालाब में भी मोटर बोट व क्रूज का आनंद ।

दोनों कानों से नहीं सुन पाने वाली श्रेया अब सुन और बोल पाएगी, राज्य स्तरीय 'ई-मेगा' कैम्प में मिला श्रवण यंत्र

मम्मी-पापा हुए खुश, श्रेया बोलेगी और सुनेगी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। हर माता-पिता का सपना होता है कि उसके बच्चे जब दुनिया में आए, तो वे अपनी आवाज और इशारे खुद बच्चे बनकर उसे सुना सके और शरारतें करें, उनकी यह भी ख्वाहिश होती है कि बच्चा जब बोलना सीखे तो हर टूटी-फूटी,अधूरी बात उनके कान सुन सके। लेकिन श्री घनश्याम पांडे और श्रीमती सुनिता के साथ ऐसा नहीं हो पाया। उनके कान लंबे समय तक अपनी बिटियाँ श्रेया की आवाज सुनने को तरस गए।

भोली सूरत और मीठी मुस्कान लिए श्रेया अभी 3 साल की है। वह जन्म से ही ठीक से सुन नहीं पाती है। श्रेया की मम्मी-पापा को यह बात तब पता चला जब वह दो साल की हुई। कुछ बोलने के बाद श्रेया को अपनी तरफ बुलाने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आने से और सामान्य बच्चों से अलग व्यवहार प्रदर्शित होने पर उन्हें अंदेशा हुआ कि जरूर कुछ न कुछ समस्या है। श्रेया को जब डॉक्टर के पास दिखाया गया तब मम्मी-पापा को भी मालूम हुआ कि श्रेया के दोनों कानों में कुछ सुनाई ही नहीं देती। ठीक से सुन नहीं पाने की वजह से ही वह कुछ बोलने में भी असमर्थ है।

श्रेया का उपचार डॉ आंबेडकर अस्पताल, रायपुर में चल रहा

श्रेया का उपचार डॉ आंबेडकर अस्पताल, रायपुर में चल रहा है। 31 अक्टूबर को राज्य स्तरीय ई-मेगा कैम्प में वह मम्मी-पापा के साथ पहुँची, तो श्रेया को समाज कल्याण विभाग के माध्यम से निःशुल्क में श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। अब इस श्रवण यंत्र से वह न सिर्फ अपनी मम्मी और पापा की आवाज सुन पाएगी अपितु आवाज सुनने के बाद बोलने की कोशिश भी करेगी। रायपुर के भनपुरी इलाके में रहने वाले श्री घनश्याम पांडे ने बताया कि वह एक निजी फैक्ट्री में काम करता है और आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटी का इलाज किसी बड़े अस्पताल में नहीं करा सकता। उसने बताया कि श्रवण यंत्र मिलने से श्रेया धीरे धीरे बोल पाएगी। श्रीमती सुनिता पांडे ने बताया कि उसे भरोसा है की जल्द ही श्रवण यंत्र से हमारी आवाज श्रेया के कानों तक जाएगी और वह मुझे 'मम्मी' बोल पाएगी।

दीपावली पर कोरोना संक्रमण को देखते हुए फटाखे न फोड़ने की अपील : डॉ. मीनाक्षी तारे

■ **फटाखों के जहरीले धुएं से कोरोना मरीजों को तकलीफ में होगा इजाफा- डॉ. मंजू शुक्ला**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। वर्ष 2020 के फरवरी माह से देश एवं प्रदेश की जनता कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी की चपेट में है। कोरोना संक्रमण के चलते जहां हजारों लोगों की मौत हो चुकी है वहीं अब तक कोरोना पाजीटिव मरीजों के संक्रमण के आंकड़ों में लगातार मामले प्रकाश में आ रहे हैं। दीपावली भारत का प्रमुख त्योहार है। दीपावली के अवसर पर बूढ़ों से लेकर बच्चों तक फटाखा फोड़कर लक्ष्मी पूजन के दिन समृद्धि एवं श्रीवृद्धि के लिए विधिवत पूजन करते हैं। वर्ष 2020 की दीपावली उक्त अर्थ के संदर्भ में इस साल बिल्कुल अलग है। कोरोना वायरस महामारी के कारण जहां देश एवं प्रदेश में दुख का वातावरण है वहीं शहर की दो वरिष्ठ चिकित्सक से संपर्क करने पर उन्होंने आरएनएस प्रतिनिधि को बताया कि कोरोना पाजीटिव मरीजों के लिए फूटने वाले फटाखों से निकलने वाला जहरीला धुआं उनकी स्थिति को खतरे में डालने की घटना होगी। उक्त बातें रोहिणीपुरम निवासी डॉ. मीनाक्षी तारे ने बताते हुए कहा कि इस दीपावली पर हम कोरोना पाजीटिव मरीजों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए फटाखा न फोड़े तो बेहतर होगा। वहीं डंगनिया निवासी चिकित्सक डॉ. मंजू शुक्ला ने भी फटाखों से निकलने वाले केमिकल जहर को सांसों की तकलीफ में इजाफा करने वाला बताया। डॉ. मंजू एवं मीनाक्षी ने आम लोगों से कोरोना संकट को देखते हुए इस वर्ष दीपावली पर्व पर फटाखा न फोड़ने की अपील करते हुए देश में आए संकट को देखते हुए सादगीपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने की अपील आम लोगों से की है।

संपादकीय

क्या सबुत गैंग माफी मांगेगा

पुलवामा हमले पर पाकिस्तान के कबुल नामे से भारत के सबुत गैंग की बोलती बंद हो गई है। जब पुलवामा आतंकी हमला हुआ था तो पाकिस्तान परस्त सबुत गैंग ने इसे लेकर विवादास्पद बयानबाजी की थी। कई विपक्षी नेताओं ने सरकार पर चुनावी लाभ के लिए खुद ही हमला कराने का बेबुनियाद आरोप तक लगा दिया था। पाकिस्तान की भाषा बोलने वोल इस सबुत गैंग के लोगों ने देशवासियों को भ्रमित करने की हर संभव कोशिश की थी। पुलवामा हमले के बाद जब भारत ने बदले की कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ एयर स्ट्राइक की थी तब भी इस सबुत गैंग ने सेना के शौर्य पर सवालिया निशान लगाए थे। अब जबकि खुद पाकिस्तान ने यह बात कबुल कर ली है कि उसने पुलवामा में आतंकी हमला करवाया था तो सबुत गैंग को चाहिए की वह देशवासियों से माफी मांगे। इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पुलवामा अटैक को लेकर विपक्ष ने ओछी राजनीति की थी। अब उन्हें इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। लेकिन सबुत गैंग ने खामोशी अख्तियार कर ली है। सरकार को चाहिए कि वह देश में पल रहे आस्तिन के सांपों के खिलाफ भी कार्रवाई सुनिश्चित करें जो खाते भारत का है और गाते दुश्मन देशों का है। पाकिस्तान और चीन के टुकड़ों पर पलने वाले इन गद्दारों के खिलाफ भी एक बड़ी और कड़ी सर्जिक स्ट्राइक करना निहायत जरूरी है। यह ठीक है कि देश में सभी को अभिव्यक्ति की आजादी मिली हुई है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि देश और सेना के खिलाफ भी जहर उगला जाए। देश के सबुत गैंग और टुकड़े-टुकड़े गैंग के हौसले इसलिए बुलंद है कि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं हो पाती। भारत पाकिस्तान और चीन जैसे दुश्मनों से निपट लेगा। अभी भी इन दोनों दुश्मनों से भारतीय सेना निपट ही रही है। लेकिन पाकिस्तान और चीन के जो हिमायती देश के भीतर मौजूद है उनसे निपटना आसान नहीं है। ये हमारे अपने है जो जयचंद बने हुए है। ऐसे लोगों की पहचान जरूरी है और फिर इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी पड़ेगी। तभी ये देश विरोधी बयानबाजी करने से बाज आएंगे। बहरहाल जो हुआ सो हुआ अब आगे ऐसा ना हो इसके लिए केन्द्र सरकार को देश विरोधी बयानबाजी करने वाले और जहर उगलने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कारगर पहल करनी पड़ेगी।

विचार

स्वतंत्र भारत के इतिहास में अब तक

भारतीय सेना को पांच थिएटर कमानों में पुनर्गठित करने की प्रक्रिया शुरू करने का जो फैसला किया गया है, उसके पीछे कुछ भूमिका मौजूदा परिस्थितियों के दबाव की भी है, लेकिन इससे सेना की कार्यशैली और नजरिये में दूरगामी प्रकृति के बदलाव देखने को मिलेंगे। देश की सेना आजकल जिन चुनौतियों से जूझ रही है वे सामान्य नहीं हैं। पड़ोस के दो देशों के साथ लगी सीमाओं पर हालात एक साथ तनावपूर्ण हो जाएं, ऐसा स्वतंत्र भारत के इतिहास में अब तक नहीं हुआ था। हालांकि युद्ध किसी भी सीमा पर नहीं शुरू हुआ है, लेकिन शक्तियों का संतुलन जिस तरह का है, उसमें अगर किसी भी मोर्चे पर टकराव एक हद से आगे बढ़ा तो दोनों सरहदों पर युद्ध शुरू हो जाने की आशंका बहुत बढ़ जाएगी। स्वाभाविक है कि ऐसे में देश की सेना हर उस तरीके पर विचार करेगी जिससे उसको अपनी क्षमता बढ़ाने में मदद मिल सकती हो। स्थल सेना, वायु सेना और नौसेना को थिएटर कमान व्यवस्था के तहत पुनर्संगठित किए जाने का फैसला इसी सोच की उपज है।

सैन्य हलकों में थिएटर कमान का मतलब होता है एकीकृत कमान। थिएटर कमान व्यवस्था लागू करने से आशय सीधे शब्दों में यह है कि एक इलाके में आर्मी, एयरफोर्स और नेवी, तीनों की यूनिटों को एक थिएटर कमांडर के अधीन लाया जाएगा। इन यूनिटों की ऑपरेशनल कमान जिस ऑफिसर के हाथ में होगी वह तीनों में से किसी भी सेना का हो सकता है। फिलहाल पूरी सेना के लिए पांच थिएटर कमान स्थापित करने की योजना है। नॉर्दर्न कमान, वेस्टर्न कमान, पेनिंसुलर कमान, एयर डिफेंस कमान और मरीन डिफेंस कमान। अभी तीनों सेनाएं स्वतंत्र ढंग से अपना काम करती हैं जिससे प्रयासों का दोहराव होता है। जैसे तीनों सेनाएं देश के वायु क्षेत्र की रक्षा का काम अपने-अपने स्तर पर करती हैं, लेकिन जो काम एक ने कर लिया, वही दूसरा भी न करे, यह सुनिश्चित करने का कोई उपाय नहीं है। नई व्यवस्था इस कमी को दूर करेगी। अमेरिका और चीन समेत दुनिया के कई देशों की सेनाएं इसी व्यवस्था के तहत चल रही हैं। लेकिन किसी भी देश की सेना उसके इतिहास और जरूरतों की उपज होती है। संदर्भों से काटकर अन्य देशों की सेनाओं से तुलना हमेशा तर्कसंगत नहीं होती। यह भी याद रखना जरूरी है कि किसी भी आधुनिक व्यवस्था में सेना को 'फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस' नहीं माना जाता। देश अपनी कुशल कूटनीति के जरिए वैश्विक समाज में ऐसा स्थान बनाते हैं कि सुरक्षा के लिए सेना के इस्तेमाल की नौबत कभी विरले ही आ सके। इसका अर्थ यह नहीं है कि सेना खुद को चुस्त-दुरुस्त और हर चुनौती के लिए तैयार न रखे, या अपने ढांचे और कार्यशैली में समय के साथ सुधार न करे। थिएटर कमान इसी तरह का एक बड़ा सुधार है। उम्मीद करें कि इससे सेना की मारक क्षमता बढ़ेगी, लेकिन उसके उपयोग की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सियासत के नए सारथी-चिराग

श्याम सुंदर भाटिया

इसमें कोई शक नहीं है, चिराग ने अब तक की राजनीति अपने पिताश्री की छत्रछाया में ही की है। बिहार के चुनावी दंगल में अकेले लड़ना उनके लिए बड़ा और कड़ा इम्तिहान है। दरअसल सियासत में शतरंज के मोहरे फूंक-फूंक कर चलने होते हैं। यदि सारी चालें फटाफट सार्वजनिक हो जाएंगी तो चुनावी नतीजों के बाद क्या करोगे? सियासी दलों से लेकर मीडिया और अवाम आपकी चालें बार-बार याद दिलाएंगे, फिर क्या करोगे? चिराग का भाजपा-लोजपा गठबंधन की सरकार बनाने का बार-बार दावा कितना सैद्धांतिक है, यह 10 नवंबर को नतीजे बताएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ फोटो और ट्वीट भी नीतीश के खिलाफ जुनूनी-सा सन्देश देता है। सवाल यह है, एनडीए से नाता तोड़ ही लिया तो भाजपा से मोहपाश कैसा?

बिहार में सियासत हर पल रंग बदल रही है। एक तरफ चार-चार गठबंधन तो दूसरी ओर बिहार की राजनीति के चतुर खिलाड़ी रहे श्री रामविलास पासवान के बेटे लोक जनशक्ति पार्टी-लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान चुनावी दंगल में अकेले दम पर जमे हैं, लेकिन चिराग के कदम-चाल फौरी तौर पर सियासी पंडितों की समझ से परे है। यूँ तो मुहावरा दो नावों में सवार होना है, लेकिन चिराग एक पांव में अपने पिता और दूसरे पांव में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की खड़ाऊं पहनकर बिहार में सरकार रुपी लौ प्रज्ज्वलित करने की फिराक में हैं, लेकिन राह में कांटे ही कांटे हैं। एनडीए से नाता तोड़कर उन्होंने यह साफ संकेत दिया है, इस चुनावी दंगल में वह अकेले पहलवान के तौर पर लड़ेंगे। दूसरी ओर यह भी संदेश देने की कोशिश की है, भारतीय जनता पार्टी उनके दिल के करीब है, जबकि जद(यू) उन्हें फूटी आंख भी नहीं सुहाता है।

वह अपने को प्रधानमंत्री का हनुमान बताते हैं। दावा करते हैं, यकीन नहीं आ रहा तो छाती चीर कर दिखा सकता हूँ। मानो, चिराग के इस जुमले से सियासी तूफां आ गया है। केंद्रीय पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री प्रकाश जावेड़कर ने उनकी पार्टी को वोटकटवा कहकर एनडीए से और दूर छिटकने की कोशिश की। हालाँकि चिराग को यह बयान नागवार गुजरा। पलटकर सवाल दागा, वोट कटवा हैं तो 2014 से साथ क्यों ले रखा था, बावजूद इसके वह इस चुनाव को भारतीय जनता पार्टी के संग फ्रेंडली फाइट करार देते हुए दम भरते हैं, बिहार में अगली सरकार भाजपा लोजपा की होगी।

चिराग ने बिहार के 12 करोड़ अवाम के लिए लिखी खुली पाती में अपने पिताश्री श्री रामविलास पासवान के पांच दशकों की सेवा का हवाला देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ड्रम्प की अमेरिका फर्स्ट तर्ज पर बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट का चुनावी मंत्र फूंका है। हालाँकि चिराग ने इसे चार लाख बिहारियों के विजन डॉक्यूमेंट की संज्ञा दी है। चिराग ने अपने पिताश्री के देहावसान से चंद दिनों पूर्व अपनी इस पाती में समर्थकों पर डोरे डालते हुए कहा, मैं और आप यानी हम अपनी ईमानदारी, मेहनत, निष्ठा और संकल्प के बूते बिहार को फर्स्ट बनाएंगे। जद(यू) के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से खफा होकर उन्होंने अकेले दम पर चुनाव लड़ने का भले ही शंखनाद कर दिया हो, लेकिन भाजपा का मोहपाश नहीं छोड़ पा रहे हैं। चिराग कहते हैं, चुनाव नतीजों के बाद सूबे में भाजपा के नेतृत्व में भाजपा-लोजपा गठबंधन की सरकार बनेगी। यह बात दीगर है, भाजपा ने इससे पल्ला झाड़ते हुए कहा, चुनाव प्रचार के वक्त चिराग न तो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री श्री अमित शाह के नाम पर वोट मागेंगे और न ही भाजपा नाम पर। उल्लेखनीय है, चिराग ने अपने ट्विटर अकाउंट पर प्रधानमंत्री का उन्हें स्नेह करते हुए फोटो समेत एक पोस्ट डाली। भाजपा को चिराग की यह सियासी चाल भी नागवार गुजरी। भाजपा ने तत्काल कहा, लोजपा के साथ भाजपा के साथ बिहार में किसी तरह का गठबंधन नहीं है। अलबत्ता सियासी गलियारों में लोजपा का यह पोस्टर- मोदी से कोई बैर नहीं, नीतीश तेरी खैर नहीं भी नए सियासी समीकरण का संदेश रहा है।

बेशक, सूबे की चुनावी पिच पर चिराग पासवान नए खिलाड़ी हैं। उन्हें विधानसभा और चुनाव का लड़ने और लड़ाने का कोई ख़ासा अनुभव नहीं है। वह कभी एमएलए नहीं रहे, लेकिन जुमई से दूसरी बार सांसद हैं। हालाँकि वह लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन सांगठनिक पकड़ भी इसी चुनाव में तय होगी। सियासत के चतुर खिलाड़ी श्री रामविलास पासवान की गैर मौजूदगी में अकेले चुनावी ताल ठोके हैं। एनडीए का दामन उन्होंने ही छोड़ा है, लेकिन यह भी सच है, सामने चार-चार गठबंधन हैं, लेकिन वह बिलकुल तन्हा खड़े हैं। उन्होंने अपने पिताश्री के चाहने वाले करोड़ों-करोड़ लोगों को लिखी इस मार्मिक पाती में चिराग ने पिताश्री के सिद्धांतों, जनसेवा और लम्बे सियासी सफर का हवाला देते हुए स्वीकारा है, लोजपा ताकतवर दलों के खिलाफ मैदान-ए-जंग में है।

पापा को हमेशा गर्व रहा है, उनका बेटा चिराग सिद्धांतों से न हटा और न भटका है। पिताश्री का सपना बिहार को फर्स्ट बनाने का था। हम सब मिलकर उनके सपनों में रंग भरेंगे। बिहार की अवाम पापा से बेपनाह मुहब्बत करती है और उम्मीद करता हूँ, आप मुझे भी वैसा ही दुलार देंगे। पाती में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार और नौकरशाही पर प्रहार करना नहीं चूके। लिखा, जनता की तकलीफों का समाधान नहीं हो रहा है। न ही मुख्यमंत्री और न ही अफसरों के एजेंडे में गरीब के दर्द का निदान है। वह इंटरव्यू हो या सोशल मीडिया, बार-बार नीतीश सरकार के सात निश्चय पर सवाल उठाते हैं।

हम अकेले चल पड़े हैं। पापा अक्सर कहते थे, चिराग अकेले चलने से मत घबराना, अगर रास्ता और मकसद नेक हैं तो लाखों-करोड़ों लोग आपके कारवां में जुड़ जाएंगे। जनता हूँ, यह फैसला बेहद कठोर है,लेकिन यह पवित्र निर्णय बिहार पर राज करने के लिए नहीं बल्कि नाज करने के लिए लिया गया है। आपको चेता देता हूँ, लोजपा के इस फैसले के प्रति लोग आपको भ्रमित करेंगे, लेकिन आपको स्पष्ट कर देना चाहता हूँ- आने वाली सरकार भाजपा और लोजपा गठबंधन की ही बनेगी।बिहार सूबे के इतिहास का यह बड़ा निर्णायक क्षण हैं - 12 करोड़ बिहारियों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न है। अब हमारे पास खोने के लिए और समय नहीं है। बेशक यह डगर आसान भी नहीं है। हम लड़ेंगे और जीतेंगे भी। पापा का अंश हूँ, कभी परिस्थितियों से हार नहीं मानूंगा और न ही किसी कीमत पर बिहार फर्स्ट -बिहारी फर्स्ट की सोच को मरने नहीं दूंगा। यह इमोशनल पाती वोटों में कितना परिवर्तित करेगी, वक्त बातएगा।

इसमें कोई शक नहीं है, चिराग ने अब तक की राजनीति अपने पिताश्री की छत्रछाया में ही की है। बिहार के चुनावी दंगल में अकेले लड़ना उनके लिए बड़ा और कड़ा इम्तिहान है। दरअसल सियासत में शतरंज के मोहरे फूंक-फूंक कर चलने होते हैं। यदि सारी चालें फटाफट सार्वजनिक हो जाएंगी तो चुनावी नतीजों के बाद क्या करोगे? सियासी दलों से लेकर मीडिया और अवाम आपकी चालें बार-बार याद दिलाएंगे, फिर क्या करोगे? चिराग का भाजपा-लोजपा गठबंधन की सरकार बनाने का बार-बार दावा कितना सैद्धांतिक है, यह 10 नवंबर को नतीजे बताएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ फोटो और ट्वीट भी नीतीश के खिलाफ जुनूनी-सा सन्देश देता है। सवाल यह है, एनडीए से नाता तोड़ ही लिया तो भाजपा से मोहपाश कैसा? हो सकता है, चिराग पासवान बिहार में सियासत की नई इबारत लिख रहे हों, लेकिन सब भविष्य के गर्त में ही छिपा है, लेकिन यह तय है- मौसम वैज्ञानिक माने जाने वाले श्री रामविसाल पासवान के बेटे चिराग की इस चुनाव में मुट्ठी वज़नदार रहेगी।

(लेखक सीनियर जर्नलिस्ट और रिसर्च स्कॉलर हैं।)

ब्रह्मोस : देश की सबसे आधुनिक और तेज क्रुज मिसाइल

योगेश कुमार गोयल

डीआरडीओ रूस के सहयोग से ब्रह्मोस की मारक दूरी बढ़ाने के साथ इन्हें हाइपरसोनिक गति पर उड़ाने पर भी कार्य कर रहा है। यह दो सैकेंड के भीतर 14 किलोमीटर की ऊंचाई हासिल कर सकती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हवा में ही रास्ता बदल सकती है और फिर भी अपने निर्धारित लक्ष्य को सटीकता से भेद सकती है। यह अपने लक्ष्य के करीब पहुंचने से महज 20 किलोमीटर पहले अपना रास्ता बदल सकने वाली तकनीक से लैस है। ध्वनि के वेग से करीब तीन गुना अधिक 2.8 मैक गति से अपने लक्ष्य पर जबरदस्त प्रहार करने में सक्षम यह दुनिया में अपनी तरह की ऐसी एकमात्र क्रूज मिसाइल है, जिसे सुपरसॉनिक गति से दागा जा सकता है। इसके दागे जाने के बाद दुश्मन को संभलने का मौका ही नहीं मिलता क्योंकि यह पलक झपकते ही दुश्मन के ठिकाने को नष्ट कर सकती है।

भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' ने परीक्षण का एक और दौर पार करते हुए भारतीय नौसेना की ताकत को कई गुना बढ़ा दिया है। हाल ही में नौसेना के स्वदेशी विध्वंसक पोत 'स्टील्थ डिस्ट्रॉयर आईएनएस चेन्नई' से इस मिसाइल परीक्षण के दौरान अरब सागर में एक लक्ष्य पर निशाना साधा गया और 'ब्रह्मोस' ने उसे बेहद सटीकता से भेद दिया। इससे पहले 30 सितम्बर को भी उड़ीसा के चांदीपुरा में ब्रह्मोस के सतह से सतह पर मार करने वाले नए प्रारूप का सफल परीक्षण किया गया था। ब्रह्मोस भारत के लिए सामरिक दृष्टिकोण से कितनी महत्वपूर्ण है, यह इसी से स्पष्ट है कि दुनिया का सबसे बेहतरीन ऑटोमेटिक इलैक्ट्रॉनिक गाइडेड मिसाइल इंटरसेप्ट सिस्टम भी 20-30 ब्रह्मोस मिसाइलों को अकेले नहीं रोक सकता। डीआरडीओ के मुताबिक ब्रह्मोस एक 'प्राइम स्ट्राइक वेपन' है, जिससे हमारे जंगी जहाजों को लंबी दूरी तक सतह से सतह पर वार करने में मदद मिलेगी।

ब्रह्मोस की शक्ति का अहसास इससे भी हो जाता है कि चीनी सेना कहती रही है कि भारत द्वारा अरूणाचल सीमा पर ब्रह्मोस की तैनाती किए जाने से उसके तिब्बत और यूनान प्रांत पर खतरा मंडराने लगा है। यह देश की सबसे आधुनिक और दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल मानी जाती है, जो पहाड़ों की ओट में छिपे दुश्मन के ठिकानों को भी निशाना बना सकती है। भारत जिस प्रकार पिछले कुछ दिनों से एक के बाद सफल मिसाइल परीक्षण कर रहा है, वह टाइमिंग के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है और इसे भारत-चीन के बीच गहरा रहे सीमा विवाद के समय में चीन को कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय वायुसेना और नौसेना के बेड़े में शामिल चुनिंदा सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में शामिल ब्रह्मोस के सफल परीक्षणों के बाद तो भारत की सामरिक ताकत काफी बढ़ गई है। यह अमेरिका की टॉम हॉक मिसाइल के मुकाबले करीब चार गुना तेजी से हमला कर सकती है। टॉम हॉक के मुकाबले इसकी प्रारंभिक गतिज ऊर्जा करीब 32 गुना अधिक है।

दुश्मन के लिए बेहद खतरनाक मानी जाने वाली ब्रह्मोस भारत-रूस के संयुक्त प्रयासों द्वारा विकसित की गई अब तक की सबसे भरोसेमंद आधुनिक प्रक्षेपास्त्र प्रणाली है, जिसने भारत को मिसाइल तकनीक में अग्रणी देश बना दिया है। इसे राफेल तथा सुखोई-30एमकेआई के अलावा नौसेना के मिग-29के में भी तैनात किया जा सकता है। ब्रह्मोस को रूस के एनपीओ मैशिनोस्ट्रोनिया (एनपीओएम) के साथ मिलकर भारत के डीआरडीओ ने तैयार किया है। रूस द्वारा इस परियोजना में प्रक्षेपास्त्र तकनीक उपलब्ध कराई जा रही है जबकि उड़ान के दौरान मार्गदर्शन करने की क्षमता डीआरडीओ द्वारा विकसित की गई है। ब्रह्मोस की रेंज पहले 290 किलोमीटर तक थी, जिसे बढ़ाकर 400 किलोमीटर से ज्यादा कर दिया गया है। पलक झपकते ही दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने के लिए ब्रह्मोस को पनडुब्बी, युद्धपोत, लड़ाकू विमान या जमीन से अर्थात् कहीं से भी दागा जा सकता है। यह प्रमुख रूप से पनडुब्बियों, जहाजों और नौकाओं को निशाना बनाने में मददगार साबित होगी। ब्रह्मोस रैमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ध्वनि की रफ्तार से भी तीन गुना तेजी से अपने लक्ष्य पर वार कर सकती है। इसकी रफ्तार करीब 3457 किलोमीटर प्रति घंटा है और इसकी बड़ी विशेषता यह है कि यह आसानी से दुश्मन के रडार से बच निकलने में सक्षम है। 'ब्रह्मोस' नाम दो नदियों, भारत की ब्रह्मपुत्र नदी के 'ब्रह्म' और रूस की मोस्क्वा नदी के 'मोस' को मिलाकर बना है।

यह मध्यम दूरी तक मार करने वाली रैमजेट इंजन युक्त सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। अभी तक चीन और पाकिस्तान के पास भी ऐसी क्रूज मिसाइलें नहीं हैं, जिन्हें जल, थल और नभ तीनों जगहों से दागा जा सकता है। क्रूज प्रक्षेपास्त्र वे होते हैं, जो कम ऊंचाई पर भी बहुत तेज गति से उड़ान भरते हैं और दुश्मन देशों के रडार की नजरों से बचे रहते हैं। ब्रह्मोस 10 मीटर की ऊंचाई पर भी उड़ान भर सकती है और यह रडार के साथ-साथ किसी भी अन्य मिसाइल पहचान प्रणाली को धोखा देने में सक्षम है, इसीलिए इसे मार गिराना लगभग असंभव है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

वैश्विक महामारी कोविड उन्नीस अनिश्चित

वैश्विक महामारी कोविड उन्नीस अनिश्चित लाकडाउन कुंठित इंसान नहीं समझ सका फिर भी परिंदों की आज़ाद उड़ान का सुख और पिंजरे में क़ैद उसके मन का अवसाद।

अंशु विनोद गुप्ता

ख़ास पाती | कुछ सहन करना भी आना चाहिये

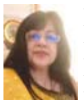

कुछ सहन करना भी आना चाहिये जीवन में , क्योंकि कमियाँ तो सब में होती हैं और हममें भी होंगी, हमारी कमियों को सह कर या अनदेखा कर के बहुत से लोग हमारे से प्यार से मिलते होंगे और कई हम से नाराज़ भी रहते होंगे। हम क्यों नहीं सह सकते और नाराज़ हुओं को मना सकते, ज़रा आज़मा कर देखिये ये फ़ार्मूला भी, बहुत सी राहें आसान हो जायेंगी, बहुत से नये रास्ते खुल जायेंगे। **रमा जय पूर्णिमा शर्मा**

दे दिया मुझको जनम जब ईश नारी

दे दिया मुझको जनम जब ईश नारी रूप में ढल रही हूँ मैं निरंतर प्रकृति के अनुरूप में देख मुझमें ही समाहित गगन सिंधु वसुंधरा।। है छलकती स्वप्न गागर दिख रही जरा जरा सिंधु आशाएँ लिये हिय मीन बनती कूप में भाव - संज्ञा शून्य नयना मूक कहते कुछ गिले सकल रिश्तों में बटी है मुस्कुराती लब सिले देती सदा परिवार को मेघ छाया धूप में इंद्र धनुषी कल्पनाएँ प्रेम से करती दमन वारती सर्वस्य अपना सींचती प्यारा चमन तन वृक्ष मन सम झूलना पींग हृदय अनूप में। **रजनी रामदेव**

होकर जाहिल लड़ रहे कट्टरता

होकर जाहिल लड़ रहे,कट्टरता की जीत। मानवता ही हारती, नस्लवाद से प्रीत। नस्लवाद से प्रीत, अरे ये किसकी बातें। उन्नत बना समाज, किसे ये मारें लातें। मानव हंतक सोच, जिसे रख खाते ठोकर । धर्म-ग्रंथ से सीख, लिखें जो चिंतक होकर। **नवीन कुमार तिवारी**

जब अपने चारों तरफ देखा

जब अपने चारों तरफ देखा करके गौर। ऐसा लगता आ गया, कट्टरता का दौर। कट्टरता का दौर, सदा इंसानी दुश्मन। होता कत्ले-आम, रुकेगी कैसे अनबन। बने पंथ निरपेक्ष, सभी सी लेते हैं लब। होकर हिंस्र प्रहार, विधर्मी करते हैं जब।। **डॉ.बिपिन पाण्डेय**

मैं चाहती हूँ कि इस तरह से मिल जाये

मैं चाहती हूँ कि इस तरह से मिल जाये हम तुम्हारे लब से झर रहे फूलों को कानों में पहनूँ और तुम मेरी आँखों को आँखो में थामे रक्खो सफर के बदस्तूर चलने का सिर्फ़ यही तरीका बाकी है।

आभा चन्द्रा

फिट एंड फाइन लाइक ओल्ड वाइन

फिट एंड फाइन लाइक ओल्ड वाइन व्हाट्स योर मंत्रा, दिस इज माइन रीड फर्स्ट थोरोली, देन ओन्ली साइन इफ यू आर डूइंग दैट,इट्स रियली फाइन इफयू गेट अप अर्ली एंड कीप मूड डिवाइन यू कैन डू ऐनीथिंग एज पर योर डिजाइन फिनिश योर एवरीथिंग विदिन योर लाइन अदरवाइज माई डियर गो ओन पेइंग फाइन गेटअप फ्रेंड्स क्विकली,ऑलरेडी इट्स नाइन लॉगिन टू योर सिस्टम एंड पुट योर साइन।

जे डी कुदाल

जिंदाबाद मुर्दाबाद देश की जय

जिंदाबाद मुर्दाबाद देश की जय हो देश तय हो घर को गुसलखाना बनाए बाँस को पड़ोसी गुनगुनाए कौन बेहोश है कौन कोमा में है कौन सा फिनाईल हो कौन सा एसिड हो किसकी चढ़ाई खिचड़ी में कौन चम्मच चलाए बिना चखे स्वाद रे कौन नमक बढ़ाए कितना नमक घटाएं किसकी कटी जीभ किसे छाले होए तीसरे की दाल में दूसरा छौंक लगाये दादा रोये परदादा को परदादा रोये पोते को घर की आग घर को खाए ये बात कौन समझे किसे समझाएँ बाप सोये घोड़े बेचकर घोड़ा अपनी लगाम किसे पकड़ाए लकड़ी चुल्हे की और बाड़ी की रखे न जो अलग अलग उसका घर भी धू धू होये उसकी बाड़ी भी धू धू होये आग न होती सगी घर की न होती बाहर की सगी बस होती है राख ही राख आँख में पड़ती है राख बचती है राख उड़ती है राख कौन लाये पानी धोये कौन कितनी राख। **अनामिका चक्रवर्ती**

QUIZ TIME

1) इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की सबसे बड़ी रिफाइनरी कहां स्थित है?

2) खड़ी बोली हिंदी का साहित्यिक रूप किस शताब्दी में विकसित हुआ? (सोलहवीं शताब्दी / अठारहवीं शताब्दी / उन्नीसवीं शताब्दी)

3) भारत के संविधान की रचना की पृष्ठभूमि में मूल कारण क्या था?

4) किस गवर्नर के कार्यकाल के दौरान कलकत्ता में विक्टोरिया मेमोलियल हॉल का निर्माण हुआ था?

5) क्रिकेट खिलाड़ी का नाम बताइए जिनका हाल ही में निधन हुई है और इन्हें किस नाम बुलाया जाता है?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) डिग्बोई (2) उन्नीसवीं शताब्दी (3) भारत पर अंग्रेजों का उत्पीड़क शासन एवं स्वतंत्रता की चाह (4) लार्ड कर्जन (5) सचिन देशमुख, मिनी गवासकर

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। भारतीय और विश्व इतिहास में 02 नवंबर की प्रमुख घटनायें इस प्रकार हैंः-1534 - सिखों के चौथे गुरु रामदास का जन्म। 1833- समाज सुधारक एवं होम्योपैथ को बढ़ावा देने वाले महेंद्रलाल सरकार का जन्म। 1833-स्वतंत्रता सेनानी तथा राजनेता बसंत कुमार दास का जन्म। 1834- एटलस नामक जहाज भारतीय मजदूरों को लेकर मॉरिशस पहुंचा था। 1841-अकबर खान ने अफगानिस्तान में शाह शुजा के खिलाफ विद्रोह किया। 1852- फ्रेंकलिन पियर्स अमेरिका के राष्ट्रपति बने। 1885-मराठी रंगमंच के प्रसिद्ध कलाकार अण्णा साहेब किर्लोस्कर निधन। 1897-प्रसिद्ध अभिनेता एवं फ़िल्म निर्माता-निर्देशक सोहराब मोदी का जन्म। 1914-रूस ने तुर्की के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की। 1929- प्रसिद्ध चरित्र अभिनेता राम मोहन का जन्म। 1936-बीबीसी ने टेलीविजन सेवा शुरू की थी। 1940-साहित्यकार ममता कालिया का जन्म। 1960 -बॉलीवुड के प्रसिद्ध संगीतकार अनु मलिक का जन्म। 1965-हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता शाहरुख़ ख़ान का जन्म। 1982-प्रसिद्ध पहलवान योगेश्वर दत्त का जन्म। 1999-पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में संयुक्त राष्ट्र संघ और अमेरिकी केन्द्रों पर रॉकेट से हमला। 2002 - पीडीपी के नेता मुफ़्ती मोहम्मद सईद ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण किया। 2005 - कांग्रेस नेता गुलाम नबी आज़ाद ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण किया। 2007 -अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ख़राब सोलर पंखों को ठीक करने के बाद डिस्कवरी के यात्री धरती पर सुरक्षित लौटे।

न्यूज गैलरी

3 नवम्बर को सतनाम सन्देश यात्रा का नवागढ़ आगमन

नवागढ़। सतनाम संदेश यात्रा विशाल रैली रायपुर से मुंगेली जो कि 3 नवम्बर को नवागढ़ से गुजरेगी। समाज के जगतगुरु रुद्र कुमार गुरु गद्दी नशीन गिरौदपुरी धाम व कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन का प्रथम नवागढ़ आगमन हो रहा है जिसकी जानकारी राज महंत विजय बघेल ने दिया एवं समस्त मानव समाज को सतनाम संदेश यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किए।।

पान ठेला का ताला तोड़ कर चोरी

खरोरा। खरोरा में दिनांक 10 अक्टूबर को पान ठेला का ताला तोड़ कर चोरी करने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 339/2020 धारा 457,380 भादवी पंजीबद्ध किया गया था। आज मामले में संलिप्त 2 आरोपियों पुरन पाल उर्फपीकू पिता सेवाराम आयु 22 साल व पीताम्बर वर्मा पिता पवन वर्मा आयु 20 साल, दोनों निवासी खरोरा को पकड़ा गया जिन्हें न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया।

अवैध शराब बिक्री करते युवक गिरफ्तार

खरोरा। थाना खरोरा में आज अवैध शराब बिक्री कर रहे राहुल गेन्द्रे पिता बंशीलाल गेन्द्रे आयु 31 वर्ष निवासी ग्राम अडसेना को पकड़ा गया। आरोपी के पास से 22 पौव्वा देशी मदिरा कीमती लगभग 1980/ रुपये बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 347/2020 धारा 34 (1) आबकारी अधिनियम के तहत पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

30 हफ्ता बाद-बंगोली मे शनिवार को बाजार लगा

खरोरा। ग्राम बंगोली मे शनिवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार कोरोना वायरस संक्रमण के चलते 24 मार्च से बंद हो गया था परंतु अब कोरोना वायरस संक्रमण को लोग समझ गये है तथा सुरक्षा व दूरी को ध्यान मे रखते हुए पुनः 31अक्टूबर शनिवार को साप्ताहिक बाजार लगना प्रारंभ हो चुके हैं 7 गौरतलब है कि विगत दो तीन माह से क्षेत्र के सबसे बड़े खरोरा बाजार है जहॉ सप्ताह मे दो दफा बाजार लगता है पहला बाजार गुरुवार को पुलिस थाना के सामने भरता है जहॉ पर कोई लोग मॉस्क नही लगाते व दूरी बनाना तो कोसों दूर है वहीं खरोरा मे सोमवार को सोमवारी बाजार भी भरते हैं जहॉ कोरोना वायरस संक्रमण की चर्चा तक नही होती साथ ही मजेदार बात ये है कि स्थानीय पुलिस थाना खरोरा की कोई पाबंदी नही है तभी तो थाना के सामने ही हजारों की संख्या मे गुरुवार को बाजार लग रहा है। अब बंगोली मे भी प्रत्येक शनिवार को बाजार लगेगा तथा सभी लोग सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए मॉस्क व सेनेटाईजर का उपयोग कर सकते हैं ।

मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज अर्जुनी राज बैठक पौसरी में सम्पन्न

अर्जुनी। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज अर्जुनी राज की बैठक ग्राम पौंसरी में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ राजप्रधान भुनेश्वर वर्मा द्वारा सर्वप्रथम छत्रपति शिवा जी महाराज, डॉ. खूबचंद बघेल, स्वामी आत्मानंद महराज, सरदार वल्लभभाई पटेल, प्रभु श्रीराम के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। राजप्रधान भुनेश्वर ने कहा बहुत ही बहुत सौभाग्य की बात है कि आज हमारे समाज के कम जनसंख्या वाले पौंसरी गांव की पावन धरा में बैठक हो रही है इसके लिए ग्राम ईकाई को धन्यवाद दिया। सामाजिक सदभावना बनाये रखने के लिए समाज के व्यक्तियों को जोर दिया गया और सामाजिक कार्य के लिए सुख दुख में जो फिजूल खर्ची के ऊपर प्रतिबंध लगाते हुये समाज के द्वारा भवन निर्माण के लिए योगदान देने हेतु प्रेरित किया। कुर्मी समाज के बाहुल्यता को देखते हुये ग्राम अर्जुनी, भाटापारा, हथबंद, सुहेला में मंगल भवन बनाने के लिए समाज के व्यक्तियों से सहयोग के लिए अपील किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती में अवसर पर याद करके नमन किया गया और ग्राम पौंसरी के स्वर्गीय दाऊ भुनेश्वर वर्मा को दानदाता के रूप याद किया गया। महिला अध्यक्ष विद्या वर्मा ने कहा कि नशा नाश की जड़ है नशा की वजह से आज कल समाज मे मारपीट, तलाक जैसे प्रकरण ज्यादा आने लगा है शराब जैसे गंदी लत से दूर रहने पर ही तरक्की होगी। ग्राम ईकाई पौंसरी की ओर से कार्यक्रम का सफल संचालन हरेश्वर वर्मा द्वारा किया गया। अरुण वर्मा सचिव ने बताया कि 15 सामाजिक प्रकरण का निराकरण किया गया। इस अवसर पर समाज के कार्यालय सचिव किशोर वर्मा, युवा अध्यक्ष दिनेश वर्मा, कोषाध्यक्ष किशोर वर्मा, राजमंत्री गोपाल वर्मा, केंद्रीय सदस्य लाभेश चवरे, तिलक वर्मा वरिष्ठ सलाहकार, सरंक्षक भरत लाल वर्मा, क्षेत्र प्रधान खूबीराम वर्मा, घनश्याम वर्मा, कृष्णा वर्मा सलाहकार, देवलाल बाघमार, सरंक्षक चिंताराम वर्मा, किशोर बघेल, नरेन्द्र वर्मा, युवा महामंत्री जितेंद्र वर्मा, कुम्भकेश्वर वर्मा, महिला उपाध्यक्ष रमा चवरे, कार्यकारणी सदय मंजू वर्मा, हेमलता बघेल, सकून वर्मा, आशा वर्मा पत्रवाहक यशवंत वर्मा, परमानंद आदि उपस्थित थे।

हमर अंगना योजना की ई-मेगा कैंप में दी जानकारी

डोंगरगढ़। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल पर षनिवार को जनपद पंचायत में ई-मेगा कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्देष्य आम लोगों तक षासन व प्रषासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को प्रदान करना है। राजनांदगांव जिलें में महिलाओं के अधिकार, घरेलू हिंसा से

संरक्षण तथा राज्य की योजना हमर अंगना थीम पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।ई-मेगा कैंप में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीष विभा पांडेय ने षासन की ओर से कई योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पीड़ित क्षतिपूर्ति का वितरण, छात्र दुर्घटना बीमा योजना, छात्रवृत्ति वितरण, पेंषन वितरण, दिव्यांग स्कूली छात्र-छात्राओं को सहायक उपकरण, असंगठित कर्मकारों का पंजीयन व पंजीकृत कर्मकारों का लाभ का वितरण, आय, जाति, निवास प्रमाण-पत्र वितरण, राज्य संबंधी मामलें का निराकरण, श्रम विभाग के प्रसूति सहायता योजना व विष्वकर्मा दुर्घटना मृत्यु सहायतायोजना के लाभों का वितरण, पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न षासकीय योजनाओं के लाभों समेत अन्ययोजनाओं से लाभांवित किया जाता है। यदि पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है या लंबित है तो वह अपना आवेदन या षिकायत न्याय एप के माध्यम से या नालसा की हेल्प लाइन नंबर 15100 पर कॉल करके दर्ज करा सकतें है। न्याय एप को अपनें मोबाइल में लिंक करके से डाउनलोड कर सकतें है।

हाथी प्रभावित इलाकों का जायजा लेने पहुंचे भाजपा प्रदेश मंत्री राकेश यादव

- **हाथियों से नुकसान हुए फसल व घरों को मालिकों से की मुलाकात**
- **मुआवजा राशि बढ़ाने को लेकर करेंगे प्रशासन व प्रदेश स्तर पर चर्चा**

डौंडी। जिले के अंतिम छोर में बसे वनांचल क्षेत्रों में इन दिनों हाथियों ने अपना डेरा जमाया हुआ है। दिन के उजाले में तो हाथियों का दल जंगल में रहता है लेकिन जैसे ही सूरज ढलने लगती है तो हाथी रिहायसी इलाकों की ओर रूख करने लगते हैं। हाथियों के आतंक से एक ओर जहां उस क्षेत्र के लोगों में काफी दहशत है तो वहीं दूसरी ओर हाथियों का दल किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। तो वहीं अब खेतों से होकर लोगों के घरों में भी हाथियों का दल पहुंचने लगा है। शुक्रवार शाम लगभग 7 बजे हाथियों का दल डौण्डी ब्लॉक के जपकसा गांव पहुंच गया। जहां कई लोगों के घरों में पहुंचकर घरों को तोड़ दिया तो वहीं कईयों की फसलें भी बर्बाद किया है। हाथियों के आतंक से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के लिए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदेव साय के निर्देश पर भाजपा प्रदेश मंत्री राकेश यादव ग्राउंड जीरो पर जपकसा गांव पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले मौके पर तैनात वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों से मुलाकात की और स्थिति के बारे में विस्तार से जाना।

नुकसान के हिसाब से मुआवजा कम- राकेश यादव

भाजपा प्रदेश मंत्री राकेश यादव ने कहा कि बालोद के वनांचल क्षेत्रों में पहली बार हाथियों का दल आने से भय का वातावरण है क्षेत्र के किसान क्षेत्र के मजदूर दहशत में है और लगातार गजराज द्वारा पकी पकाई धान की फसल को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। कईयों के घर को तोड़ दिया है जान बचाने के लिए लोग दीवार फांद कर भाग रहे हैं। हमारे जिले के लोगों को हाथियों के आचरण के विषय में जानकारी नहीं है इसलिए पूरे क्षेत्र में बड़ा ही भय और आतंक का माहौल है। छत्तीसगढ़ के प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल, वन मंत्री मोहम्मद अकबर व विधायक अनिला भेड़िया से आग्रह किया कि वन विभाग के अनुसार जो मुआवजा मिल रहा है वह नुकसान के हिसाब से काफी नहीं है। इसके अलावा राजस्व की धारा 6, 4 का लाभ किसानों को मिलना चाहिए। प्रदेश मंत्री ने कहा कि जिला खनिज न्यास निधि से अतिरिक्त मुआवजा भी देना चाहिए। उन्होंने ग्राउंड जीरो की वस्तु स्थिति के बारे में छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय को अवगत कराने की बात कही। वही जरूरत पड़ने पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर सहित प्रदेश के बड़े नेताओं को भी इस विषय में अवगत कराने की बात कही ताकि वह इस गंभीर विषय में उच्चाधिकारियों से चर्चा कर प्रभावित जनता के हितों के लिए निर्णय लें।

संवेदनशीलता व गंभीरता से सुनी प्रभावितों की बात

प्रदेश मंत्री राकेश यादव अपनी टीम के साथ हाथियों ने जिनके फसलों व घरों को नुकसान पहुंचाया था। उनसे मुलाकात व बातचीत की जहां पर ननकी बाई ने बताया कि जब वह खाना निकाल रहे थे तो उनके यहां हाथी दौड़कर आया और घर के दरवाजे पर खड़े हो गये। दहशत के कारण घर के अंदर घुसकर रो रहे थे और बच्चों के मुह को ढककर रखे थे जिसके बाद हाथियों के जाने के बाद घर से निकले और आग जलाकर बाहर में खड़े थे तभी फिर दोबारा हाथी आने लगे जिसे देखकर वहां से दौड़कर पास के एक घर के छत पर गये जहां पूरी रात जागते हुए गुजारी।

लोगों को सतर्क रहने की जरूरत- श्री रावटे

जिला पंचायत सदस्य होरीलाल रावटे ने बताया कि हाथियों ने 8 गांव में साढे 13 हेक्टेयर के 93 किसानों का फसल नुकसान किया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हाथी गांव के अंदर घुस रहा है वह बेहद चिंता का विषय है, जिससे कभी भी जनहानि होने की संभावना है। इसको लेकर इस क्षेत्र के लोगों को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने वन विभाग व स्थानीय प्रशासन को एक विषय को गंभीरता पूर्वक लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर पूर्व जिला भाजपा मंत्री पालक ठाकुर, भाजपा शहर अध्यक्ष सुरेश निर्मलकर, धर्मेंद्र अग्रवाल(बंटी), डौण्डी कोषाध्यक्ष अजय चौहान भी मौजूद थे।

हाथियों ने जबकसा में फैलाई दहशत एक मवेशी को मौत के घाट उतारा

ग्रामीण का तोड़ा आशियाना, वन विभाग की दिन रात लोगों को सतर्क रहने की कर रहा है अपील

लक्ष्मीकांत बंसोड़

डौंडी । बालोद जिले के अंतिम छोर में बसे वनांचल क्षेत्रों में इन दिनों हाथियों ने अपना डेरा जमाया हुआ है। दिन के उजाले में तो हाथियों का दल जंगल में रहता है लेकिन जैसे ही सूरज ढलने लगती है तो हाथी रिहायसी इलाकों की ओर रूख करने लगते हैं। हाथियों के आतंक से एक ओर जहां उस क्षेत्र के लोगों में काफी दहशत है तो वहीं दूसरी ओर हाथियों का दल किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। तो वहीं अब खेतों से होकर लोगों के घरों में भी हाथियों का दल पहुंचने लगा है। दो दिनों से हाथियों के दल ने जपकसा गांव में आतंक मचा रखा है। शनिवार देर रात हाथियों का दल एक जपकसा गांव के एक घर में पहुंच गया जहां हाथियो ने वहां के पशुओं को दर्दनाक मौत दे दी। जिसके चलते अब लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।

गौरतलब है कि पिछले 16 दिनों से डौंडी वन परिक्षेत्र के आसपास गावों में किसानों का धान फसल तबाह करते आ रहे 22 सदस्यीय चंदा हाथियों का दल अब रिहायसी इलाका करीब पहुँच रहा है, बीती रात ग्राम जबकसा के आदिवासी ग्रामीण श्रवण नुरेटी के मवेशी को घायल किया तो वही एक मवेशी को पैरों से रौंदकर जान ले ली,मृत मवेशी के पेट की अंतड़ी बाहर आ गयी। वही ग्राम के रामसिंग गोड़ के आशियाना को सुठ से उठाकर तहस नहस कर दिया। हाथी के आतंक से ग्रामीण पड़ोसी घर के छत पर चढ़कर अपनी सुरक्षा व्यवस्था बनाई। जबकसा के कई ग्रामीणों की फसल को हाथियों ने नुकसान पहुँचाई। हाथियों की उत्पात के चलते ग्रामीण जन रात भर दहशत में रतजगा करते रहे। सुबह वनविभाग की टीम जबकसा में वस्तुस्तिथि का जायजा लिए। बताया जा रहा पिछ्ले दो रात्रि से जबकसा में उत्पात मचाकर हाथियों का दल जंगल की ओर चले जाते है। अभी यह नही कहा जा सकता कि जबकसा के ग्रामीण हाथियों को लेकर कितने सुरक्षित है। जिस तरह हाथियों का दल ग्राम करीब पहुँच रहे है उससे ग्रामीण जानमाल की सुरक्षा को लेकर भयभीत नजर आने लगे है।वही मंत्री अनिला भेड़िया के प्रतिनिधि पीयुष भी हाथी प्रभावित ग्रामीणों से मिले और उनका हाल जाना और पूरी संवेदनशीलता से लोगो की मुश्किल में खेड़े होने की बात कहते हुए जल्द मुवावजा दिलाने के बात कही।

वही जबकसा गांव पहुचे मंत्री प्रतिनिधि पीयुष सोनी ने ग्रामीणों से चर्चा की और लोगो से अपील करते हुए कहा कि सरकार आपके साथ है आपको डरने की जरूरत नई है ,जागरूक हो कर रहे जितने किसानों का नुकसान हुवा है जल्द मुवावजा मीले ऐसा प्रयास किया जाएगा ,मुवावजे की राशी को बढ़ाने के बारे में आगे बात करेंगे।

मुआवजा को लेकर किसानों की बढ़ रही चिंता

साल में एक बार खेत से धान फसल जरिये जीवन यापन करते आ रहे किसानों की चिंता इसलिए बढ़ते जा रही है कि वे भगवान भरोसे धान उत्पादन करते है यही उनका आय का जरिया है। लेकिन आफत की तरह आये हाथियों की दल फसलों को बर्बाद कर रहे है उससे उनकी मुसीबत बढ़ रही है। किसानों का कहना है कि सरकारी मुआवजा कम है। तो वही वन विभाग के रेंजर पुष्पेन्द्र साहू ,अपनी टिम के साथ दिन रात लोगो को घरों में रहने की अपील करने में जुटा हुवा है।

मेरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित है : टंक राम वर्मा

खरोरा। समीप्रस्त बुन्देलीडीह में मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय का भूमिपूजन श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा अध्यक्ष जिला पंचायत रायपुर एवं टंक राम वर्मा उपाध्यक्ष जिला पंचायत के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि अनिल अग्रवाल पूर्व सांसद प्रतिनिधि, भागबली साहू मंडल अध्यक्ष भाजपा, केयूर भूषण शर्मा एवं टेकराम यादव महामंत्री द्वय भाजपा, रेखराम देवांगन जनपद सदस्य, बिहारी लाल वर्मा सरपंच ग्राम पंचायत सरोरा थे।

तीन सटोरिया चढ़े पुलिस के हत्थे नगदी रकम 33095 रुपये सटटा पटटी बरामद

कवर्धा। जिले में जुआ सट्टा अवैध शराब आदि, अपराधिक गतिविधियों पर पूर्ण अंकुश लगाने निर्देश दिया गया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी तथा उप पुलिस अधीक्षक अजाकध्क्राईम श्री बी.आर.मंडावी के मार्ग दर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक श्री मुकेश यादव के कुशल नेतृत्व में थाने में अलग अलग टीम बनाकर क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग कराया जा रहा है तथा अपराधिक गतिविधियों पर सतत निगरानी करते हुए लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 31?10?2020 को जुर्म जरायम पतासाजी हेतु पुलिस टीम थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों में रवाना किया गया था, तथा लगातार मुखबिरो से चर्चा की जा रही थी जिस पर मुखबीर से सूचना मिला कि गायत्री मंदिर के पास पान ठेला से संजय मरकाम एवं पानी टंकी के सामने गंगानगर मे मनीष विश्वकर्मा व दर्रापारा कवर्धा में ओंकार तिवारी द्वारा अंको का रूपये पैसे में दांव लगाकर सट्टा पट्टी लिखकर अवैध धन लाभ अर्जित कर रहे हैं, कि सूचना पर कोतवाली पुलिस टीम द्वारा गायत्री मंदिर के पास तथा पानी टंकी के सामने गंगानगर, व दर्रापारा कवर्धा जाकर देखा तो संजय मरकाम , मनीष विश्वकर्मा , अमर तिवारी ने अंको में रूपये पैसे का हार जीत का दांव लगाकर सट्टा पट्टी लिखते पाये जाने से मौके में गवाहों के समक्ष रंगे हाथों पकड़े गए।

गोबर के दियों ये रौशन होगा घर आंगन : ऋषि शर्मा

कवर्धा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गोबर से दिये बनाने हेतु महिला समूह की बहनो को आगे आने अपील किया है इसे स्वीकारते हुए नगर पालिका परिषद कवर्धा क्षेत्रांतर्गत घर-घर जाकर कचरा एकत्रित करने वाली दीदीयों ने अपने कार्य से अतिरिक्त समय निकालकर अब गोबर से दिये बना रहे है स्वच्छता दीदी द्वारा अब तक लगभग 10 हजार गोबर से दिये तैयार किये जा चुके है जल्द ही बाजार में इनके दिये उपलब्ध हो जायेगें। नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने इनके कार्यकुशलता की तारीफकरते हुए सभी स्वच्छता दीदीयों को बधाई भी दिये। नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने बताया कि गोबर के दीए से इस महिलाओं ने इस दिशा में अभिनव पहल किया है। कुछ समय पहले तक यहां महिलाएं खेतों में काम करतीं थीं। अब इन्हीं महिलाओं ने गाय के गोबर को अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत करने का जरिया बनाया है। नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने बताया कि गोबर के दीए से इस बार घर-आंगन रोशन करने की तैयारी है इस दीपावली में कुम्हारों, हस्तशिल्पियों, बुनकरों और अन्य कारीगरों द्वारा बनाये गये दीयों, वस्त्र सजावट की वस्तुएं उपहार एवं अन्य सामाग्री अधिक से अधिक खरीदने अपील किया है ताकि लोगों के इस छोटे से प्रयास इन व्यवसायों से जुडे लोगों के जीवन में दीपावली की खुशियां बिखर सके। उन्होनें बताया कि नगर पालिका की स्वच्छता दीदीयों द्वारा अपने स्वच्छता कार्य से समय निकालकर गोबर से दिये तैयार किये जा रहे है जो सराहनीय व अनुकरणीय पहल है उन्होनें बताया कि समनापुर मार्ग, मिनीमाता चैक, घोठिया मार्ग, कैलाश नगर स्थित एसएलआरएम सेंटर एवं जोराताल स्थित कंपोस्ट सेंटर में महिला द्वारा गोबर दिया तैयार किया जा रहा है। नगर पालिका के सभी जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी इनके द्वारा तैयार किये गये गोबर के दिये को खरीद कर अपने घर आंगन को रौशन करेंगें।

सुरेठी, कुर्मी,व र्मा समाज ने मनाया सरदार वल्लभ भाई पटेल का जयंती

कवर्धा। सुरेठी (कुर्मी) वर्मा समाज ने वर्मा भवन ग्राम - पंचायत पोंडी में सरदार वल्लभ भाई पटेल जी का जयंती मनाया गया।जिसमें सर्वप्रथम समाज के वरिष्ठ नागरिक प्रबुद्ध जनों के द्वारा पटेल जी को याद करते हुए तैलचित्र पर माल्यार्पण श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। सुरेठी (कुर्मी) वर्मा समाज के अध्यक्ष शिवप्रसाद वर्मा ने बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी ने देश की एकता व अखंडता के लिए अतुलनीय कार्य किए है।साथ ही देश के आमजनो के हितों की लड़ाई लड़ी एवं सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया व महिलाओं के सम्मान के पक्षधर भी रहे।देश के आजादी में हुए आंदोलन में पूरी इच्छाशक्ति के साथ शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। कुर्मी समाज के युवा वाल्मिकी वर्मा ने सरदार जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए जीवन परिचय से लेकर पढ़ाई और उनके द्वारा किये गए राष्ट्रहित के कार्यो,संकल्पित विचारो व महिलाओं के प्रति सम्मान को अपने निजी जीवन मे उतारने की जरूरत है।उनके कहे हुए नक्से कदम पर चलकर देश और राष्ट्र के लिए अतुलनीय योगदान दे।

महली में मनाया गया लौहपुरुष सरदार पटेल जयंती

कवर्धा। ग्राम महली (पंडरिया) मे 31अक्टूबर 20 को देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 145 वीं जयंती पर गरिमापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शा.प्रा.शाला महली प्रांगण मे आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकेश चंद्राकर(अध्यक्ष कुर्मी युवा क्रांति मंच कबीरधाम) द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम का संचालन दिनेश चंद्राकर एवं परसराम चंद्राकर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सरदार पटेल जी की प्रतिमा पर दीपप्रज्वलन कर, साल भेंट कर किया गया तथा उपस्थित गणमान्य नागरिकों द्वारा प्रतिमा पर माल्यार्पण एवम् युवाओ द्वारा पुष्पवर्षा की गयी, ततपश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इस सुअवसर पर अध्यक्ष महोदय द्वारा सरदार पटेल जी के व्यकितत्व का स्मरण करते हुए कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य मे वल्लभभाई पटेल जैसे दृढ राष्ट्रभक्त, अनुशासित एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के पदचिन्हों पर चलने की नितांत आवश्यकता है तथा संगठन द्वारा किये जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम, नशामुक्ति जागरूकता अभियान चलाये जाने की जानकारी दी। इस सुअवसर पर मुख्य अतिथि अशोक चंद्रवंशी द्वारा पटेल जी के विलक्षण व्यक्तितत्व तथा उनके राष्ट्रीय एकता एवं संप्रभुता को बनाये रखने के संबंध मे किये गये कार्यो का वर्णन किया। सरदार पटेल जी के जयंती के उपलक्ष्य मे कुर्मी युवा क्रांति मंच कबीरधाम के सदस्यों द्वारा मास्क वितरण कर कोरोना वायरस से सुरक्षा के लिए जागरूकता का संदेश देते हुए इस अवसर पर कोविड-19 टेस्ट शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संगठन के सभी सदस्यों के साथ-साथ कार्यक्रम मे उपस्थित क्षेत्र के विभिन्न गाँवो के प्रबुद्ध जन खासकर महिलाओं द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया जिसमें सभी लोगों का कोविड टेस्ट निगेटिव प्राप्त हुआ। इसमें प्रमुख रुप से ग्रामीण स्वास्थ संयोजक गोपाल चन्द्राकर द्वारा 52 लोगों का कोविड-19 टेस्ट किया गया जिसमे स्वास्थ संयोजक ललित चन्द्राकर एवम् रामफल चन्द्राकर ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

दीया बाती के साथ कंबल व साड़ी का वितरण

कवर्धा। विकासखंड के वनांचल क्षेत्र के बैगा आदिवासी 100 परिवारों को वेद वेदांत समिति कवर्धा बोड़ला के संयुक्त तत्वाधान में दीपावली पर्व के शुभ अवसर पर दीया बाती के साथ-साथ कंबल व साड़ी का वितरण किया गया द्यकार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए समिति के सदस्य कपूरचंद ठाकरे आकाश राजपूत डीआर साहू हेम कुमार साहू आदि ने बताया कि समिति के द्वारा कई वर्षो से दीपावली के अवसर पर क्षेत्र में निवासरत बैगा आदिवासी परिवारों को सामग्री प्रदान किया जाता है द्यइसी कड़ी में इस वर्ष भी मिट्टी के दीए के साथ दीप प्रज्वलित करने हेतु तेल के साथ-साथ कंबल साड़ी आदि प्रदान किया जा रहा है गौरतलब है कि पहले भी समिति द्वारा कोरोना संक्रमण काल के दौरान सड़क से गुजरने वाले हजारों यात्रियों को नाश्ता के रूप में सामग्री प्रदान किया जाता रहा है इससे पहले गांव में जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री भी प्रदान किया गया था द्यसमिति के द्वारा हमेशा ही जरूरतमंद व्यक्तियों के सुविधाओं का ध्यान रखते हुए क्षेत्र में सहयोग का कार्य किया जा रहा है समिति की इसी प्रयास को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी दीपावली के शुभ अवसर पर 100परिवारों को सहायता करने के उद्देश्य से सामग्री प्रदान किया गया, इनमें विकासखंड मुख्यालय से लगे हुए बैगा बाहुल्य गांव कें तेंदुवाडीह, अम्लीडीह छुही नाला आमनारा पेंड्री छिंदहा के परिवारों को चिन्हित कर सामग्री प्रदान किया गया

96 पौवा अंग्रेजी गोवा व्हीस्की शराब के साथ एक गिरफ्तार

भाटापारा। जिले में अवैध शराब, जुआ, सट्टा आदि पर कड़ी कार्रवाई करने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा मिले निर्देश के बाद गिधपुरी थाना प्रभारी एस आर कंवर के नेतृत्व में पुलिस ने ब्यारा में छुपा कर रखी 96 पाव शराब के साथ एक युवक को पकड़कर उसके खिलाफआबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। उपरोक्त सम्बन्ध में जानकारी देते हुए थाना गिधपुरी प्रभारी एस आर कंवर ने बताया की थाना क्षेत्र अंतर्गत सतत् पेट्रोलिंग किया जा रहा है कि रविवार को मुखबिर से सूचना मिली की ग्राम तेलासी मे आरोपी द्वारा अपने घर ब्यारा स्थित घुरवा (कचरा फेंकने की जगह) में दिवाली त्यौहार में अवैध रूप से बिक्री करने हेतु अंग्रेजी शराब छुपा कर रखा गया है।उक्त सुचना की तस्दीक़ पर रेड कार्यवाही किया गया, जिसमें आरोपी अनिल कुमार पाटले के द्वारा अपने मकान ब्यारा में स्थित घुरवा में छिपाकर रखे गए *02 अलग-अलग सीमेंट की बोरी में 48-48 पौवा (कुल 96 पौवा) अंग्रेजी गोवा व्हिस्की शराब जुमला 17.280 बल्क लीटर कीमती ?11520* को जप्त किया गया है। आरोपी *अनिल कुमार पाटले पिता जनकराम पाटले उम्र 19 साल निवासी ग्राम तेलासी* के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर, विधिवत गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया गया है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में उप निरीक्षक एम.आर.कंवर थाना प्रभारी, प्रधान आरक्षक इतवारी राम वर्मा नरेंद्र ठाकुर, आरक्षक टिकेश्वर गायकवाड, व्यास नारायण कोसले, रामविलास यादव, शिव शंकर कुर्रे, दुबराज सिंह का योगदान रहा।

ई-मेगा कैम्प में 26 लाख रूपये से ज्यादा की राशि व सामग्री का वितरण

भाटापारा। जनपद पंचायत में आयोजित अनुविभाग स्तरीय ई मेगा कैम्प में शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत26 लाख 24 हजार 4 सौ 9 रुपये की सामग्री व अनुदान राशि के चेक वितरित किये गये । इस अवसर पर अपर सत्र न्यायाधीश श्री सत्येंद्र साहू उपस्थित थे। ई मेगा कैम्प का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग एवम् निर्देश पर किया गया। इस आयोजन में सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे। आज के इस आयोजन में कुल 594 हितग्रहहियो को साशन की विभिन्न योजनाओ का लाभ मिला ।आज के इस आयोजन में 317 पुरूष और 277 महिला हितग्राहियो को सीधा लाभ मिला। अनुविभागीय कार्यालय ,तहसीलदार,नायब तहसीलदार भाटापारा,निपनिया,जनपद पंचायत,नगरपालिका,स्वास्थ केंद्र,कृषि विभाग,शिक्षा विभाग,श्रम विभाग और आदिमजाति विभाग से जुड़े इन सभी प्रकरणों का त्वरित निदान किया गया। आय निवास का मामला,आर बी सी 6 चार,पेंशन,जननी सुरक्षा,गुमास्ता लायसेंस,जन्मप्रमान पत्र, ट्राय सिकल वितरण,मिनी किट वितरण इत्यादि के हितगहियो को सामग्री और चेक से राशि का वितरण किया गया।इस अवसर पर अपर सत्र न्यायाधीश सत्येंद्र साहू,एसडीएम महेश सिंह राजपूत,प्रभारी तहसीलदार मयंक अग्रवाल,नायब तहसीलदार ,सीईओ पात्रे,सीएमओ आशिष तिवारी,बीएमओ डॉ राजेश अवस्थी,सहायक कृषि विस्तार अधिकारी वर्मा,एबीईओ सहित आदिमजाति विभाग और अन्य विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस ने वर्षों से बिछड़ों को अपनों से मिलाया

भाटापारा । गुम इंसानो को खोज निकालने में पलारी थाना पुलिस को लगातार कामयाबी मिलते जा रही है।थाना प्रभारी पलारी निरीक्षक सीआर चंद्रा के निर्देशन में सउनि जे एस ठाकुर, आरक्षक ईश्वर ज्योत, महिला आरक्षक आशा भारती के थाना पलारी द्वारा की गई कार्यवाही

गुम ईंसान कुमारी रामहिन गेन्डरे पिता मंशा राम गेंडरे उम्र 22 साल ग्राम टिला जो का वर्ष 2018 से घर से कहीं चली गयी थी जिसकी रिपोर्ट इसके पिता मंशा राम गेंडरे द्वारा थाना पलारी में दर्ज कराया था जिस पर गुम ईं क्र 37/18 कायम कर गुमशुदा की लगातार पता तलाश किया जा रहा था जिसे आज दिनांक 31.10.2020 को उनके प्रेमी बंसंत कोसले साकिन टीला के पास से बरामद किया गया । पुछताछ पर कुमारी रामहिन गेंडरे ने बताया कि वह अपने गांव के ही बसंत कोसले से प्रेमसंबंध करना तथा शादी कर उनके साथ रहना बतायी है । बाद उसके पति बसंत कोसले ग्राम टीला को सुपुर्द किया गया। इसी क्रम में सूचक :- कुलदीपक वर्मा पिता राम दुलार वर्मा उम्र 37 साल साकिन बोड़तरा द्वारा दिनांक 22.10.2020 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि लड़का शीतल कुमार वर्मा ऊर्फरूपेश उम्र 18 साल ग्राम बोड़तरा पलारी जा रहा हूँ कहकर निकला था जो घर वापस नहीं जाने गुम हो जाने कि रिपोर्ट थाना पलारी में गुम इंसान क्रमांक 57/2020 कायम कर जांच पतासाजी में लिया गया था । जिसे आज दिनांक 31.10.2020 को बरामद किया गया जिससे पुछने पर वह अपने बुआ के घर ग्राम कनकी खरोरा चला जाना बताया । बाद गुमशुदा लड़का को उसके परिजनों को सौंपा गया । जिन्होंने खुशी जाहिर करते हुए पलारी पुलिस स्टाफ का आभार व्यक्त् किया ।

एसपी कार्यालय में एएसपी ने दिलाई राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ

बेमेतरा/साजा। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने का शपथ लिए।

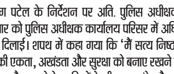

पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देशन पर अति. पुलिस अधीक्षक विमल कुमार बैस ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में अधिकारियों/कर्मचारियों को शपथ दिलाई। शपथ में कहा गया कि 'मैं सत्य निष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करुंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूं। जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूं।' इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

निधन

चंद्रशेखर केशरवानी

भाटापारा। स्वर्गीय लखन लाल केसरवानी के सुपुत्र चंद्रशेखर केसरवानी का रविवार की सुबह इलाज के दौरान देहावसान हो गया है जिनका अंतिम संस्कार तीसरे पहर किया गया। वे जंबू केसरवानी के पिता तथा श्री चंद्र मोहन केसरवानी (चंदू केशरवानी)राजू केसरवानी गोलू केसरवानी के भाई थे।

इंपोर्टेड के सामने भारतीय गोंद का बाजार ध्वस्त

भाटापारा। सालों बाद पहली बार भारतीय गोंद को इंपोर्टेड गोंद से कड़ा मुकाबला करना पड़ रहा है। हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कीमत नीचे ले जाने के बाद भी बाजार को पकड़ा नहीं जा सका है। स्थिति हाथ बाहर जाती देखकर अब स्थानीय संग्राहक संग्रहण से किनारा कर चुके हैं। बिगड़ी स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ऐन सीजन में बबूल का गोंद थोक में 50 से 60 रुपए किलो पर आ चुका है।

गोंद की खरीदी बिक्री का मौसम चालू हो चुका है। वैसे पूरे साल मांग में रहने वाले इस चीज की डिमांड ठंड में कुछ ज्यादा ही

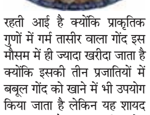

रहती आई है क्योंकि प्राकृतिक गुणों में गर्म तासीर वाला गोंद इस मौसम में ही ज्यादा खरीदा जाता है क्योंकि इसकी तीन प्रजातियों में बबूल गोंद को खाने में भी उपयोग किया जाता है लेकिन यह शायद पहला साल है जब आयातित गोंद से भारतीय गोंद की तीनों प्रजातियों को बाजार से अपनी हिस्सेदारी खत्म होती नजर आ रही है।

यहां के हालात बेहद खराब

देश में वैसे तो हर राज्य में जरूरत की आपूर्ति अपने यहां उपलब्ध संसाधन से हो जाती है लेकिन ठंड में कुछ कमी महसूस की जाती रही है क्योंकि गम बनाने वाले उद्योगों की खरीदी भी चलती है। इस बार स्थिति विपरीत है। नाईजीरियन और अफ्रीकन गोंद की भरपूर मात्रा में उपलब्धता से भारतीय गोंद को खोजने पर भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं क्योंकि कीमत में किलो पीछे 5 से 10 रुपए का अंतर है।

आयातित और हिंदुस्तानी गोंद

नाईजीरिया और दक्षिण अफ्रीका से भारतीय बाजार में पहुंच रहा गोंद 40 से 45 रुपए किलो की कीमत पर आसानी से उपलब्ध है। वैसे भी अपने देश में इंपोर्टेड शब्द ही बाजार बनाने और बढ़ाने में मदद करता है। यह इस चीज पर भी लागू हो चुका है क्योंकि इंपोर्टेड गोंद की तुलना में भारतीय बबूल का गोंद 50 से 60 रुपए किलो पर मिल रहा है तो औद्योगिक उपयोग में आने वाला कुल्लू गोंद 80 रुपए और धावड़ा गोंद 100 से 110 रुपए किलो पर उपलब्ध है लेकिन आयातित गोंद में औद्योगिक गोंद भी इनसे किलो पीछे 10 से 15 रुपए सस्ता है। लिहाजा इस बार भारतीय गोंद, बाजार बढ़ाने नहीं बल्कि बचाने की कोशिश में है।

> नाईजीरिया और दक्षिण अफ्रीका से आ रहा आयातित गोंद भारतीय गोंद की तुलना में सस्ता होने से पहली बार स्थानीय गोंद की हालत बेहद खराब है। भरपूर मात्रा में आयात से बाजार में इसकी ही खरीदी को लेकर प्राथमिकता दी जा रही है।
>
> **– भूपेंद्र चंदेरिया,** संचालक, मेसर्स बाहुबली इंडस्ट्रीज, बिलासपुर

यहां से आयातित गोंद

इस बार दक्षिण अफ्रीका और नाईजीरिया में अनुकूल मौसम से गोंद का उत्पादन बीते साल की तुलना में लगभग दोगुना ज्यादा होने की खबर आ रही है। आयात का रास्ता खोले जाने के बाद इन दोनों देशों से भरपूर मात्रा में भारतीय बाजार में गोंद पहुंच रहा है। यहां पहुंचकर इस की खरीदी पर प्रति किलो केवल 40 से 45 रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि कीमत कितने नीचे जा चुके हैं।

मदिरा में मिलावट, आबकारी उपनिरीक्षक निलंबित, तीन बर्खास्त, तीन के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज

महासमुंद। महासमुंद, भंवरपुर स्थित देशी मदिरा दुकान में गड़बड़ी एवं मिलावट का मामला पकड़ में आने पर आबकारी विभाग के प्रभारी उप निरीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने के साथ ही तीन लोगों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। तीन लोगों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। आबकारी आयुक्त निरंजन दास ने उक्त कार्रवाई राज्य स्तरीय उड़न दस्ता दल द्वारा उक्त मदिरा दुकान में औचक दबिश देकर की गई जांच-पड़ताल के दौरान 69 पेटी देशी मदिरा की बोतलों में कम तेजी पाए जाने तथा बोतलों से छेड़छाड़ का मामला पकड़ में आया है। जांच में दोषी पाए गए व्यक्तियों मे निलंबित उप निरीक्षक को संभागीय उड़न दस्ता मुख्यालय रायपुर अटैच कर दिया गया है।आबकारी विभाग की जांच पड़ताल में दोषी पाए गए लोगों में निलंबित आबकारी उप निरीक्षक का नाम कुलदीप शर्मा है, वही तीन लोग क्रमशः 1/ नीलांबर दास मानिकपुरी पिता बोध दास, 2/ रेखन लाल खुटे पिता धनीराम खूटे, 3/ प्रवीण कुमार बर्मन पिता मन्हुगूराम बर्मन है। इन तीनो को आबकारी विभाग द्वारा बर्खास्त कर दिया गया है।

गौरतलब है कि राज्य में मदिरा के अवैध करोबार एवं मिलावट पर कड़ाई पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा जांच-पड़ताल का सघन अभियान संचालित किया जा रहा है। उड़न दस्ता टीमें मदिरा दुकानों में दबिश देकर नियमित रूप से जांच-पड़ताल कर रही है। आबकारी विभाग का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

लापता युवक का मोबाइल जला हुआ मिला

महासमुंद। पिथौरा थाना क्षेत्र के ग्राम ठाकुरदिया खुर्द में लापता युवक का मोबाइल गांव के बाहर जला मिला। युवक 24 अक्टूबर से लापता है। परिजनों ने इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। इधर, लापता युवक का मोबाइल मिलने के बाद से ग्रामीण जंगल में युवक को ढूंढ रहे हैं, अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। फिलहाल पुलिस को भी युवक के बारे में कुछ पता नहीं चल पाया है। मोबाइल नंबर व युवक के दोस्तों से पुलिस पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि मामला प्रेम संबंध का भी हो सकता है। पिथौरा थाना प्रभारी अपूर्वा सिंह ने बताया कि ग्राम ठाकुरदिया खुर्द निवासी राजेश जोशी पिता करिया जोशी (18) 24 अक्टूबर रात को मोबाइल में फोन आया तो वह बात करते हुए बाहर निकाल गया था। उसके बाद दोबारा वापस घर नहीं आया। परिजनों ने पुलिस को युवक के गायब होने की जानकारी घटना के 4 दिन बाद थी।

केशवराम कोसले पिथौरा थाना प्रभारी

महासमुंद। पिथौरा के टीआई प्रदीप मिंज को पदस्थापना के चार दिन अंदर ही ट्रांसफर कर दिया गया है। मिंज को नए आदेश में विशेष शाखा पदस्थ किया गया है। केशव राम कोसले को पिथौरा थाने का नया टीआई बनाया गया है। पिथौरा थाने में निरीक्षक सिद्देश्वर प्रताप सिंह थे, लेकिन प्रशिक्षु डीएसपी अपूर्वा सिंह को प्रशिक्षण के लिए वहां का थाना प्रभारी बनाया गया था। अब उनका 31 अक्टूबर को प्रभार समाप्त हो गया।

ई-मेगा कैम्प में सात हजार हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

■ जिला,विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत में ई-मेगा कैम्प आयोजित

गरियाबंद। कोविड-19 के संक्रमण काल में आम नागरिकों को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराने एवं लाभ दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गरियाबंद द्वारा 31 अक्टूबर को ई-मेगा कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर पर कुल 7 हजार 159 हितग्राहियों को लाभांवित किया गया।

ई- मेगा कैम्प का शुभारंभ

बिलासपुर हाई कोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुबह 10:30 बजे किया गया। गरियाबंद के एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायालय (पास्को) राजभान सिंह,अपर जिला सत्र न्यायाधीश अगम कुमार कश्यप, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजया रात्रे, कलेक्टर छतर सिंह डेहरे, पुलिस अधीक्षक बी.आर. पटेल, जिला पंचायत सीईओ विनय लंगेह, अपर कलेक्टर जे आर चौरसिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर मौजूद थे। शुभारंभ कार्यक्रम के पश्चात जिला कार्यालय के सभाकक्ष में माननीय न्यायाधीश एवं कलेक्टर श्री डेहरे द्वारा पात्र हितग्राहियों को जिला

राज्य की प्रथम ई-विधिक सेवा मेगा कैम्प सीरीज का वर्चुअल उद्घाटन

साजा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्रधिकरण (नालसा) अन्तर्गत राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा आज शनिवार को राज्य की प्रथम ई-मेगा कैंप सीरीज का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन आज विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष एवं हाईकोर्ट के जज जस्टिस प्रशांत मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि वंचितों को आर्थिक एवं सामाजिक न्याय दिलाने के लिए ई-मेगा विधिक सेवा कैम्प एक अभिनव पहल है। न्याय सिर्फ अदालत तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी विस्तृत परिभाषा है। कलेक्टर बेमेतरा शिव अनंत तायल जिला एवं सत्र न्यायाधीश ए.के. सिंघल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल सहित अन्य अधिकारी विडियों कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए। कैम्प के उदघाटन के अवसर पर जस्टिस मिश्रा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि ई-मेगा कैम्प जन जागरूकता के लिए एक अभिनव प्रयास है। वर्तमान कोविड की परिस्थिति में विधिक साक्षरता की गतिविधियां ई प्लेटफार्म पर हो रही है। राज्य में पहली ई-लोक अदालत सफल रूप से आयोजित होने के पश्चात् ई-मेगा कैम्प पर विचार किया गया। जब-जब विकट स्थिति उत्पन्न होती है तो कंधे से कंधा मिलाकर कार्यपालिका और न्यायपालिका यह प्रयास करते है कि अंतिम छोर के व्यक्तियों को उनका अधिकार दिलाये। कोविड की परिस्थिति से निपटने के लिए सरकार अपना कार्य बखूबी कर रही है लेकिन इस परिस्थिति में योजनाओं को पहुचाने के लिए ई -मेगा कैम्प एक अच्छा प्लेटफार्म है। उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित हाईकोर्ट कम्प्यूटराईजेशन कमेटी के चेयरमेन जस्टिस मनीन्द्र मोहन श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोविड की परिस्थिति में यह एक चुनौती से भरा प्रयास है।

डॉ. आर के परदल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महासमुंद को दिया गया विदाई

महासमुंद। महासमुंद के डॉ. आर के परदल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला महासमुंद को दिया गया सेवा निवृत्त पर विदाई अपने जीवन के 62 साल पूरा चिकित्सा सेवा पूरा किया है। उनके द्वारा सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय महासमुंद में 10 वर्षो से अधिक सेवा दिया है। बताया जाता है कि शिशु रोग विशेषज्ञ में रह कर बच्चों को सेवा दिया है साथ ही सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक के पद पर रह कर जिला अस्पताल को सुदृढ़ कर प्रबंधन किया है। वह एक ऐसे ब्यक्तित्व रहा है जो की जीवन में कभी गम नही आया है। हमेशा हँसमुख रहकर मरीजो की सेवा किया है। मरीजो से लेकर अधिकारी कर्मचारियों को बेहतर से बेहतर समन्वय स्थापित किये है। बताया गया कि डॉ और चिकिसक कभी रिटायर नही होते वह हमेशा सेवा कार्य से जुड़े रहते है। डॉ आर के परदल को श्री फल साल और मोमेंटो देकर भेंट कर स सम्मान जिला अस्पताल महासमुंद के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा विदाई दिया गया। इस विदाई समारोह में उपस्थित सेवा निव्रित डॉ गिरधारी चन्द्राकर , डॉ घनस्याम चन्द्राकर, डॉ एन के मंडपे सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक ,डॉ यस पी वारे, डॉ राव आरएमओ , डॉ विपिन बिहारी अग्रवाल , डॉ अरविंद गुप्ता , डॉ सचदेवा, डॉ परदल मैडम, डॉ दिनेश सिन्हा, डॉ बाघ, डॉ छत्रपाल चन्द्राकर, श्री संदीप ताम्रकर डीपीएम, डॉ सुरभि जैन, ओंकेस्वरी साहू , डॉ वर्मा, डॉ घनस्याम साहू, मेट्रन,समस्त स्टॉप नर्स, और लोकेश पटेल एकाउंट, रामगोपाल खुंटे , विजय , प्रवीण नागदेव,सुनील साहू, टेकलाल नायक, युनिकेश सिंहा, देवकुमार, आदि अधिकारी कर्मचारी विदाई समारोह में उपस्थित हुए।

आईपीएल पर सट्टा, थाना सरायपाली एवं सायबर सेल की कार्यवाही, 1 गिरफ्तार

महासमुंद। महासमुंद पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर ने ढ्ढक्करूक्रिकेट मैच के मद्देनजर समस्त थाना/चैकी प्रभारियों को सट्टा-पट्टी खेलने व खिलाने वालो पर नजर रखकर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था साथ ही सायबर सेल टीम को ऑनलाईन ढ्ढक्करूसट्टा-पट्टी खेलने वालो पर नजर रखने हेतु निर्देशित किया। सायबर सेल की टीम को सूचना मिली सरायपाली थाना क्षेत्र में मुम्बई इंडियन एवं दिल्ली केपिटलस मैच में बालिंग, बैटिंग एवं मैच के अंतिम परिणाम पर रूपयें पैसे का दांव लागाकर ऑनलाईन ढ्ढक्करूक्रिकेट मैच सट्टा खेला जा रहा है। सायबर सेल की टीम सरायपाली क्षेत्र के कुछ नामचीन सटोरियों को चिन्हांकित कर उसपर नजर रखी हुई थी कि मुखबीर से सूचना मिला की ग्राम झिलमिला फारेस्ट नाका सराईपाली में एक व्यक्ति आई0पी0एल0 सट्टा खेला रहा है।

राष्ट्रीयय एकता दिवस, अधिकारियों, कर्मचारियों ने ली देश की एकता एवं सुरक्षा की शपथ

महासमुंद। महासमुंद, देश की एकता एवं अखंडता के सूत्रधार, प्रथम गृह मंत्री लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस को आज राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। जिला कार्यालय कलेक्टोरेट सहित ज़िले के विभिन्न ज़िला स्तरीय कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को बनाए रखने में योगदान देने की शपथ ली।जिला कोषालय, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, ग्रामीण ज़िला पंचायत, यांत्रिकी सेवा सहित सभी एसडीएम व तहसील कार्यालयों के आधिकारियों कर्मचारियो ने भी इस अवसर पर देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ ली।

जिला सचिव संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर जिपं. सीईओ से किया मुलाकात

साजा। प्रदेश पंचायत सचिव संघ छत्तीसगढ़ ज़िला इकाई बेमेतरा के अध्यक्ष पंकज सिंह राजपूत के नेतृत्व में संघ का प्रतिनिधि मंडल ज़िला पंचायत बेमेतरा सीईओ श्रीमती रीता यादव से मुलाकात कर संघ के विभिन्न मांगों के सम्बंध मे चर्चा कर ज्ञापन सौपा गया। जिसमें आगामी समय पर दीपावली पर्व को देखते हुए समय पर वेतन भुगतान, सर्विस बुक का नियमित संधारण, सचिवों के क्रमोन्नत व पदोन्नति तथा कुछ सचिवों के लंबित वेतन भुगतान एवं अन्य मांगों के द्वारा मांगपत्र सौपा गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा सभी मांगो पर त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मरवाही में मतदान दलों की...

जोगी कांग्रेस का समर्थन मिल गया है । अमित जोगी धर्मजित सिंह और आर के राय ने भाजपा को समर्थन दिए जाने की घोषणा की मगर जोगी कांग्रेस के 2 विधायको प्रमोद शर्मा और देवव्रत सिंह ने जोगी कांग्रेस से बगावत कर भाजपा को समर्थन दिए जाने का विरोध किया है । चुनाव परिणाम चाहे जो आए मगर जोगी कांग्रेस में फुट की नीव रखी जा चुकी है ।

3 नवम्बर को मतदान कराने रविवार शाम तक सभी दल मतदान केंद्रों में पहुंच जाएंगे। कुल 191244 मतदाता इस चुनाव में अपने मत देने के अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। कुल 286 मतदान केंद्र में की मत दान की तमाम व्यवस्था की जा रही है। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे ।, रविवार शाम से प्रचार समाप्त हो गया है । सभी सेंटर्स में सुबह 7 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक मतदान होगा। क्षेत्र के कुल 191244 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 97397 महिला, 93843 पुरुष और 4 ट्रांसजेंडर वोटर्स शामिल हैं।

कोरोना संक्रमित भी दे सकेंगे वोट

चुनाव में दिव्यांग और 80 साल से अधिक आयु के बुजुर्ग डाक मतपत्र का इस्तेमाल कर सकेंगे। कोरोना महामारी को देखते हुए कोरोना संक्रमित,या संदिग्ध मरीज जिनकी रिपोर्ट न आई हो, होम आइसोलेटेड मरीज भी मतपत्र के माध्यम से अपना मत दे सकेंगे। सभी सेंटर्स में मतदाताओं के लिए हैंड सेनेटाइजर,मास्क व वोट डालने से पहले हैंड ग्लब्स की भी व्यवस्था की जा रही है।

पुलिस मुस्तैद ,सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई

फर्जी मतदान सहित अन्य किसी प्रकार की घटना को रोकने के लिए पुलिस सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। उपचुनाव को लेकर पिछले करीब बीस दिन से चल रहे प्रचार का सिलसिला भी थम गया । रविवार शाम के बाद कहीं भी आम जनसभा ,चौक चौराहों पर चौपाल,सामूहिक प्रचार पर प्रतिबन्ध लगाया जा चुका है। प्रत्याशी केवल घर घर जा कर व्यक्तिगत रूप से अपना प्रचार प्रसार कर सकते हैं। जिले के बाहर से आए हुए कार्यकर्ता और प्रचारकों ने जिला छोड़कर जाना शुरू कर दिया है।

पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल का दावा...

निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक हमने 12 से 15 अक्टूबर के बीच चार कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए। इसके साथ ही 10 से 15 अक्टूबर के बीच में 10 सभाएँ की। 16 से 27 तक 30 नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया गया। महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के सम्मेलन के साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की सभाएँ हुईं। श्री अग्रवाल ने कहा कि हमारी पार्टी मरवाही की जनता तक पंहुचकर विजय के लिये समर्थन मांगने में सफल हुई है। हमारे प्रत्याशी के प्रति जनता में उत्साह और अपार समर्थन का भाव साफ परिलक्षित हो रहा है।

किसान और मजदूर...

दिखाया है। चाहे वो किसानों की मदद और जमीन की रक्षा का मामला हो, उद्योग धंधों को बढ़ावा देने एवं ग्रामीण और युवाओं को स्वावलंबी बनाने का काम हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में मंत्रि-मंडल एवं सहयोगियों की टीम पूरे विजन के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश में छत्तीसगढ़ एक नया मॉडल राज्य बन रहा है। किसानों, आदिवासियों के हितों की रक्षा और बेहतर शिक्षा की व्यवस्था करके युवाओं के भविष्य को गढ़ने का काम छत्तीसगढ़ राज्य में हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में इंग्लिश मीडियम स्कूल शुरू करके आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों एवं युवाओं को भी अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा सुलभ कराई है। सांसद राहुल गांधी ने देश में किसानों की वर्तमान स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज किसान परेशान है, उनके हितों की अनदेखी की जा रही है। केन्द्र सरकार द्वारा कृषि के क्षेत्र में पारित तीन नये कृषि कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि कृषि उपज मंडियों और न्यूनतम समर्थन मूल्य का महत्वपूर्ण रोल है। इससे किसानों के हितों की रक्षा होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी सिस्टम में कमियां हो सकती है। इसका ये मतलब नही है कि उसको खत्म कर दिया जाए। सिस्टम में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में 2006 में मंडियों को खत्म करने के बाद से लगातार किसानों की स्थिति कमजोर हुई है। केन्द्र सरकार के इन तीनों कृषि कानूनों के खिलाफहम लड़ाई लड़ रहे हैं। पंजाब और छत्तीसगढ़ में इसका विरोध हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री से इन तीनों कृषि कानूनों पर फिर से विचार करने और मंडी सिस्टम को मजबूत बनाने का आग्रह किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री इस पर पुर्नविचार जरूर करेंगे।

सीएम ने छत्तीसगढ़...

साथ', 'जय हिन्द-जय छत्तीसगढ़' शामिल हैं।

जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'हमारे राम' में भगवान राम के ननिहाल चंदखुरी स्थित माता कौशिल्या मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों, राम वनगमन पर्यटन परिपथ, राजिम, सिहावा जैसे धार्मिक स्थलों के बारे में जानकारी दी गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

माओवादियों के नाम पर झूठी शिकायत करने वाले ठेकेदार पर कब होगी कार्यवाही

कोर्ट के आदेश के नाम पर मांगी थी सुरक्षा, नगरनार स्टील प्लांट के एक पेटी कांटेक्टर की करतूत हुई थी उजागर

जगदलपुर। बस्तर माओवादी हिंसा से जुझ रहा है और माओवादियों के नाम पर कुछ लोग बेजा उपयोग करने से भी बाज नहीं आते हैं।इस प्रकार का वाक्या गत् 20 दिवस पूर्व नगरनार थाने में प्रकाश आया था है जिसमें माओवादी धमकी के नाम पर पुलिस में एक लिखित शिकायत किया था किंतु वह झूठी निकली । अब यक्ष प्रश्न यह है कि झूठी रिपोर्ट के लिए इस ठेकेदार पर कार्यवाही कब होगी।

भारत सरकार की नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम द्वारा निर्माणाधीन नगरनार स्टील प्लांट में कार्यरत् एक निजी कंपनी द्वारा विगत् अक्टुबर माह की आठ तारीख को माओवादियों द्वारा पचास लाख रुपये मांगने की झूठी शिकायत कर मीडिया मे सुर्खियां बटोरी थी जिसके बाद जमकर हाय- तौबा मचा था और राज्य सरकार के गृह विभाग व पुलिस महकमें मे हडक़ंप मचा था।

शासन के निर्देश व मामले की गंभीरता देखते हुए बस्तर पुलिस अधीक्षक दीपक झा द्वारा नगरनार थाने को जांच के आदेश दिये थे और जांच में नगरनार पुलिस को ठेकेदार की कहानी मनगढंत व झूठी लगी थी जिसके बाद पुलिस द्वारा मीडिया को 10 अक्टुबर को सोशल मीडिया के माध्यम से जो जानकारी देते कहा था कि झूठी रिपोर्ट लिखवाने वाले ठेकेदार के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी किंतु 20 दिन बितने के बाद भी ठेकेदार का बाल भी बांका नहीं हो पाया जिसके कारण नगरनार पुलिस सवालों के घेरे में आ गई है।

यहां उल्लेखनीय है कि माओवादियों द्वारा बंदूक की नोंक पर नगरनार प्लांट में घुसकर धमकी देकर 50 लाख रुपये मांगने का की बात सामने आई थी तथा माओवादायों से सुरक्षा हेतु न्यायालय के आदेश का हवाला भी दिया गया था किंतु यह बातें निराधार थी और इस मामले मे ठेकेदार के फऱार होने व कर्मचारी से ब्यान लेकर मामले में पुलिस आगे नहीं बढ़ी जबकि बस्तर के परिपेक्ष्य व जगदलपूर के मामले में यह गंभीर विषय थी। इस पूरे मामले पर डीएसपी परमा ने बताया कि जांच जारी है गवाह ज्यादा होने की वजह से देर तो हुई है। परन्तु अब हम अंतिम पड़ाव पर है 2 दिन के भीतर रिपोर्ट तैयार कर पुलिस अधीक्षक को सौप दी जाएगी। जिसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

एसकेएमएस ने मनाया अपना 100 वां स्थापना दिवस

■ **कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा संगठन निर्माण के उद्देश्य के बारे में दी जानकारी,सदस्यों ने गाया जन गीत**

बचेली। देश के प्रथम ट्रेड यूनियन (AITUC) ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस के स्थापना के 31/10 2020 को 100 वर्ष पूरे होने पर बचेली एसकेएमएस कार्यालय में स्वर्ण शताब्दी दिवस मनाया गया। आपको बता दे की कोविंड 19 की वजह से कार्यक्रम साधारण रूप में मनाया गया। कार्यक्रम आरम्भ होने के पहले का. गुरुदास दास गुप्ता जी को उनके प्रथम पुण्यतिथि पर व अन्य दिवंगत कामरेडों को पुष्प भेंट कर श्रध्दांजलि दी गयी। कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा AITUC की स्थापना एवं उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी साथ कि कार्यक्रम के बीच सदस्यो ने इस अवसर पर जन गीत व मजदूर गीत गाया।

■ न्यूज गैलरी

शरद पूर्णिमा पर्व वाल्मीकि जयंती एवं वल्लभ भाई पटेल की जंयती मनाई

किरंदुल । हर साल की तरह इस साल भी शिशु मंदिर योग और व्यायाम शाला के बच्चों द्वारा शरद पूर्णिमा पर्व वाल्मीकि जयंती एवं वल्लभभाई पटेल की जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ नवीन व्यामशाला किरंदुल में मनाया गया. इस बीच विद्यार्थियों ने प्रति व्यक्ति 2 गज की दूरी में बैठा कर हाथ सेनीटाइज करते दिखे कार्यक्रम का आरंभ अतिथियो द्वारा दीप प्रज्वलन कर माँ भारती ,वल्लभ भाई पटेल जी एवं वाल्मीकि जी की चित्र पटल पर पुष्प अर्पण कर किया गया ! इसके उपरांत एकल गीत, अमृत वचन बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया । तत्पश्चात राघव मंदिर के प्रधान पुजारी सत्येन्द्र प्रसाद शुक्ला द्वारा शरद पूर्णिमा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कोरोना वारियर्सों को उनके योगदान के लिए सीआईएसएफ किरंदुल इकाई द्वारा सम्मानित किया गया

किरंदुल । राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता और अखंडता की भावना को बढ़ावा देने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई बीआईओएम किरंदुल में मार्च पास्ट का आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान सी.आई.एस.एफउप कमांडेंट अक्षत पटेल और सहायक कमांडेंट एल गणेशन के द्वारा कोरोना से बचाव में तैनात किए गए बल सदस्यों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

ई-मेगा कैम्प आयोजित

कांकेर। शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी देने और उनका लाभ दिलाने के लिए पूरे छत्तीसगढ़ राज्य सहित कांकेर जिले में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ई-मेगा कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के 8080 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया, जिनमे 5467 पुरूष और 2613 महिला हितग्राही शामिल हैं, ई-मेगा कैम्प से जिले के सभी विकासखण्ड भी जुड़े हुए थे। जिला मुख्यालय कांकेर में जिला पंचायत के सभाकक्ष में ई-मेगा कैम्प आयोजित की गई, जिसमें शासन के विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई, साथ ही संबंधित हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। ई-मेगा कैम्प को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी.एल. कटकवार ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के उद्गम का स्त्रोत भारतीय संविधान है। संविधान के भाग-4 में नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख किया गया है, जिसके तहत् शासन द्वारा आम जनता के हित में योजनायें संचालित की जाती है। संविधान से व्यक्ति के अधिकार की सुरक्षा तो होती ही है, वहीं दूसरे लोगों की अधिकारों की रक्षा भी संविधान के द्वारा की जाती है। जिला सत्र न्यायाधीश श्री कटकवार ने लोक कल्याणकारी राज्य के संबंध मे भारतीय संविधान में किए गये प्रावधानों का विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि आप, हम सब जिस पद पर कार्य कर रहे हैं, उसका ईमानदारी से निर्वहन करते हुए आम जनता को योजनाओं से लाभान्वित करें।

कल्याणकारी योजनाओं से 8080 हितग्राही लाभान्वित

राहगीरों से चाकू की नोक पर पैसे लुटने वाले तीन आरोपी चढ़े कोतवाली पुलिस के हत्थे

जगदलपुर। बीती रात शहर के सुनसान ईलाके में राहगीरों से पैसे लुटने वाले तीन लुटेरो को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल बीती रात वाजीद समीन माँ दुर्गा चौक निवासी एवं सुदन मौर्य निवासी कंगोली 11 बजे मेनरोड पुराना पुलिया के पास खडकघाट मंदिर के सामने से गुजर रहे थे तभी 3 युवकों ने उन्हें रोककर चाकू दिखाकर डरा धमका कर दोनो युवकों से 10,000 रूपये एवं 5500 रूपये व मोबाईल को लुटकर ले गये जिसकी शिकायत करने युवक सिटी कोतवाली पहुँच कर शिकायत दर्ज करवाई मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवली पुलिस ने टीम गठित कर त्वरित कार्यवाही करते हुये घटनास्थल के आसपास पता तलाश कर , आरोपियों को तत्काल पकड़कर पुछताछ कर तीनो आरोपियों को धर दबोचा।

आरोपियों के कब्जे से 48,500 रूपये , 01 नग मोबाईल व मोटर सायकल बरामद कर लुटेरे विजय दुबे उर्फ जयदुबे , त्रिलोचन बघेल व राजा बघेल पर अपराध कमांक 482/2020 धारा 392,34 भादवि. व अपराध क्रमांक 483/2020 धारा 394,34 भादवि. दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया ।

दिव्यांग युवक के घर पहुंचे संसदीय सचिव ने दी स्वचालित ट्राइसिकल

जगदलपुर। विवेकानंद वार्ड के देवीचंद नाग पिता सुकरु नाग जो कि दिव्यांग है उनको चलने-फिरने में तकलीफ होती थी जिसकी जानकारी मिलते ही संसदीय सचिव रेखचंद जैन दिव्यांग के घर पहुंचे और इसकी स्थिति को देखते हुए तत्काल समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक से चर्चा करते हुए तत्काल बैटरी चलित ट्रायसायकिल मंगाकर वितरित किया।

संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने बताया कि जरुरतमंद दिव्यांगजनों को भूपेश बघेल सरकार के मंशानुरूप हर प्रकार की सहायता प्रदान करना प्राथमिकता है। जागरुक पार्षद पंचराज सिंह ने यह जानकारी उपलब्ध कराई जिसके बाद साथियों के साथ मिलकर दिव्यांगजन को ट्रायसायकिल वितरित किया गया।

दिव्यांग देवीचंद नाग ने भी ट्रायसायकिल चलाकर देखा। दिव्यांग देवीचंद नाग ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, संसदीय सचिव रेखचंद जैन व कांग्रेस पार्टी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान सुशीला बघेल, कौशल नागवंशी, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष जीशान कुरैशी, आईटी सेल प्रदेश महासचिव योगेश पानीग्राही, समाजसेवी अम्बरीष सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश की जनता को दी बधाई व शुभकामनाएं

■ **जिले के जनप्रतिनिधि, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक राज्योत्सव कार्यक्रम में जिला पंचायत सभाकक्ष से विडियो कांफ्रेस माध्यम से हुए शामिल**

सूरजपुर। राज्य स्थापना के 21 वे राज्योत्सव कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेश की जनता को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कोविड 19 के कारण राज्योत्सव का कार्यक्रम इस वर्ष आयोजित नहीं किया जा रहा है। इसलिए मुख्यमंत्री प्रदेश के सभी जिलों से वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से जनप्रतिनिधियों एवम् जनता से जुड़े। राज्योत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री ने शासन द्वारा संचालित महत्वकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्रदेश की जनता को दी तथा प्रदेश की जनता को कहा की आप सभी को विभिन्न योजना के माध्यम से अधिक से अधिक लाभ मिले इस हेतु विभागो में सतत क्रियान्वयन किया जा रहा है, भले ही वह स्वच्छता और स्वास्थ्य के विषय की बात हो या कुपोषण से मुक्त कर सुपोषित करने की, छत्तीसगढ़ के सभी नागरिक के प्रति शासन उत्तरदायी है और संकल्पित भी। बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध करने का कार्य किया जा रहा है और सभी क्षेत्रो में कार्यक्रम कामयाब हो रहा है। मुख्यमत्री ने कहा कि किसानों की उन्नति के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना जैसे योजनाओं के माध्यम से मजबूत और सशक्त करने का कार्य कर रहें हैं। उन्होंने राज्योत्सव कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में औद्योगिक क्षेत्र में विकास हेतु उचित अधोसंरचना तैयार करने का कार्य किया जा रहा है, इससे रोजगार की उपलब्धता बढ़ेगी ओर नियोजन के कार्य मे भी प्रगति आएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए इसके लिए कोविड 19 के दौरान पीडीएस के माध्यम से राशन उपलब्ध कराया गया है। पीडीएस प्रणाली अच्छा कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राज्य के अंतिम छोर में बसे लोगों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

पब्लिक वॉइस ने जरूरतमंदों को बांटा गर्म कपड़े और कंबल

■ **रोज रात निकल फुटपाथ में रहने वालों को बांटेंगे कंबल**

जगदलपुर। सामाजिक संस्था पब्लिक वॉइस ने एक नवंबर को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष में जरूरतमंदों को ठंड में गर्म कपड़े और कंबल का वितरण किया। शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में भी वितरण किया गया।

पब्लिक वॉइस के सदस्यों ने बताया कि गर्म कपड़े और कंबल का वितरण लगातार पूरे ठंड़भर जारी रहेगा। विशेष रूप से फुटपाथ में सोने वालों का ध्यान रखा जाएगा और उनका हर संभव सहयोग किया जाएगा। इस दौरान रोहित सिंह आर्य, लखपाल सिंह, बबला यादव, गोपाल तीरथानी, मितेश पाणिग्राही, इमरान बरवटिया सहित अन्य सदस्य सहयोगी रहे।

'कोविड-19 कोरोना वायरस के बचाव हेतु जागरूकता अभियान'

मुंगेली। मुंगेली जिला शिक्षा विभाग कलेक्टर पी.एस. एल्मा के मार्गदर्शन में चल रहे छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'पढ़ई तुंहर दुआर' के अंतर्गत जिले के सभी स्कूलों,संकुलों और विकासखंडों में अपने अपने स्तर पर कोविड-19 से बचाव हेतु ब्यापक जागरूकता अभियान जिला शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार चलाये जा रहे है, बच्चो और शिक्षको के सहयोग से कोविड-19 से बचाव से संबंधित पत्र लेखन, निबंध लेखन, वर्चुअल बाद विवाद प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता पोस्टर निर्माण चार्ट पेंटिंग आदि विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, जैसा की सर्वविदित है कि कोरोना महामारी के वजह से मार्च 2020 से स्कूलों मे ताला लगा हुआ है, ऐसे में विद्यार्थियों के स्वास्थ का ध्यान रखते हुवे शासन अनुपम योजना पढ़ई तुंहर दुआर के अंतर्गत बहुआयामी शैक्षणिक योजना ने प्रदेश के नवनिहलो की शिक्षा की ज्योति को अखंड रूप से जलाये रखा। ऐसे में यह आवश्यक हो गया था की कोविड-19 का संक्रमण से कैसे बचा जाये इसकी जानकारी प्रत्येक घरों तक पहुचाई जाये इसी कड़ी में जिला नोडल अधिकारी श्री पी.सी.दिव्य और जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सिंह क्षत्रिय द्वारा जिले के समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी,सहायक विकासखंड अधिकारी प्राचार्य संकुल समन्वयक, प्रधान पाठको की वर्चुअल बैठक आयोजित किया।

अजजा आयोग सदस्य नितिन पोटाई ने राज्यपाल से की मुलाकात

■ **अनुसूचित जनजातियों के हित से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई चर्चा : पोटाई**

कांकेर। राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य नितिन पोटाई ने छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम अनुसुईया उईके से सौजन्य भेंट कर अनुसूचित जनजातियों के हित से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की ओर से उपाध्यक्ष सुश्री राजकुमारी दीवान, आयोग के सचित एच.जे.सिंह उइके निज सहायक जयसिंह राज एवं संदीप कुमार नेताम ने भी आयोग से संबंधित बातें रखी। आयोग के सदस्य नितिन पोटाई ने राज्यपाल महोदया को आदिवासियों की हितों के लिए दिये जा रहे संरक्षण पर धन्यवाद दिया। श्री पोटाई ने बस्तर की ओर राज्यपाल महोदया का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बस्तर में आदिवासियों को नक्सली बताकर जेल में बंद किया जा रहा है फर्जी नक्सली मुटभेड़ में निरीह एवं बेबस आदिवासियों को मारा जा रहा है। बस्तर की अकुत संपदा को लूटने की होड़ मची हुई है जिससे आदिवासियों का हक मारा जा रहा है। बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के बाहर के लोगों का बस्तर में आगमन हो रहा है जिससे उनकी कला संस्कृति के साथ-साथ रोटी रोजी की भी समस्या उत्पन्न हो रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद छत्तीसगढ़

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 21/व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां./खण्ड 2020 — गरियाबंद, दिनांक 29.10.2020

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु खण्ड कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 10.11.2020, समय शाम 5.30 बजे तक।

स. क्र.	विकासखण्ड/ ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि
1	गरियाबंद जिले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड देवभोग में (जी) टाईप स्टॉप क्वार्टर भवन निर्माण कार्य।	15.47 लाख	11603/-

उपरोक्त कार्य की निविदा में भाग लेने की पात्रता, सामान्य शर्तें, धरोहर राशि की विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद (छ.ग.)

जी-84655/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग (भवन/सड़क) उत्तर बस्तर संभाग क्रमांक 1 जगदलपुर

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक/5048/12/वलेलि/2020-21/ — जगदलपुर, दिनांक 29.10.2020

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	निविदा क्र.	ठेके की अनुमानित लागत (लाख में)	कार्य का नाम
1	2	3	4
1	T0097	45.07	बड़े मोरठपाल ब्लाक तोकापाल में के.जी.बी.व्ही. हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य
2	T0098	10.74	रायकोट ब्लाक तोकापाल में न्यू हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य (शेष कार्य प्रथम तल)
3	T0099	5.00	जगदलपुर उपसंभाग क्रमांक 2 के नानुगर सेक्शन अंतर्गत सड़कों के संधारण के लिए (गिट्टी) सप्लाई कार्य

नोट :- निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 18.11.2020
उपरोक्त निविदा की जानकारी विभागीय वेब पोर्टल www.cg.nic.in/pwdraipur में भी अवलोकन किया जा सकता है।
ऑनलाईन से डाउनलोड किया गया निविदा फार्म को प्रेषित करने पर मान्य नहीं किया जावेगा, इस कार्यालय में उपस्थित होकर निविदा फार्म हेतु आवेदन प्रस्तुत करने पर ही निविदा फार्म प्रदाय किया जावेगा।
अन्य विवरण एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में लोक निर्माण विभाग उत्तर बस्तर संभाग क्र. 1 जगदलपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) उ.ब. संभाग क्र.1 जगदलपुर

जी-84661/2

बातों...बातों में...

सुकांत राजपूत

गढ़ कलेवा में नैवेद्य...

छत्तीसगढ़िया फील गुड कर रहा है। हर एक को लगने लगा है कि वाकई अब हम छत्तीसगढ़ में हैं। सीएम भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत से लेकर मंत्री रविंद्र चौबे, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से लेकर सभी मंत्री का भी छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़िया और परंपरा, संस्कृति को पूरी तरह अपनाने का प्रयास है। ऐसे में पर्यटन और संस्कृति मंत्री को भी इसी तरह की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन वे राज्योत्सव के कार्यक्रमों की घोषणा करने के लिए गुरु घासीदास संग्राहलय स्थित संस्कृति विभाग के दफ्तर में प्रेसवार्ता लिए और परिसर में ही स्थित गढ़ कलेवा को भूल गए। कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों के हाथ में नैवेद्य मिठाई वाले का डिब्बा थमा दिया। जबकि गढ़ कलेवा में छत्तीसगढ़िया मिष्ठान और अन्य पारंपरिक व्यंजनों का ऑर्डर मिलने की राह हर कोई तक रहा था। माजरा समझते देर नहीं लगी, बातों ही बातों में विभागीय कर्मी ने बताया दरअसल नैवेद्य स्वीट्स से अफसरों को नजराना मिलता है, गढ़ कलेवा से नहीं...!

ये मेरा, वो तेरा..!

कांग्रेस में सहीं मायनों में लोकतंत्र है ऐसा कहा जाता है। शायद इसलिए भी लोकतंत्र में अपना और पराया चुनने की भी आजादी मिल जाती है। इन शॉर्ट..गुटबाजी को भी लोकतंत्र में स्वतंत्रता का मूल अधिकार कहें। कुछ ऐसी ही स्वतंत्रता का नजारा हमें रायपुर नगर निगम महापौर व्दारा विभिन्न अखबारों, बैनर, पोस्ट में देखने को मिला। ये मेरा वाला विज्ञापन में साफ झलक गया कि सूबे के तीन वरिष्ठ मंत्री तो इनके वालों में शामिल नहीं है। फुल पेज विज्ञापनों में सोनिया, राहुल, सीएम, कृषि मंत्री, नगरीय निकाय मंत्री के अलावा पुनिया भी थे और रायपुर के तीन विधायक भी। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री, वन मंत्री, गृहमंत्री की तस्वीरें नदारद थीं। अब सियासी गलियारों में पार्टी के हरिराम कहते हैं ये मेरा है वो तेरा है...!

जाके पैर न फटे बिवाई...

दर्द कैसा भी हो उसे जाहिर करने के लिए हिंदी के एक लोकप्रिय कहावत है...जाके पैर न फटे बिवाई, ता का जाने पीर पराई! मतलब साफ है, जिसका पैर फटा नहीं उस दर्द को वो क्या जानेगा। अब इस कहावत का सीधा असर लौह पुरुष सरदार पटेल के जन्म जयंति पर दिखा। इसी दिन सरगुजा महाराज का भी जन्मदिन है। एक आजाद हिंदुस्तान की रिसायतों को मिलाने का दुरूह कार्य कर दिखाया। घूम घूमकर बाय हुक, बाय क्रुक रियासतों का विलय कर देश को आकार दिया। मेहनत के मुताबिक वे प्रधानमंत्री के भी दावेदार थे। खैर..इसी तरह 15 साल से प्रदेश में गहरी पैठ जमा चुकी कमल जड़ों को उखाड़ने के लिए तन, मन, धन के साथ काफी मशक्कत करने वाले महाराज भी कामयाब हुए पर...। छत्तीसगढ़ के एक नामचीन दैनिक अखबार में उनका छत्तीसगढ़ की वर्षगांठ पर साक्षात्कार प्रकाशित हुआ। पहली बार उन्हों ने सार्वजनिक कहा..हां...दो टर्म की बात हुई थी!

मरवाही एलायस...

भले ही जोगी परिवार अपने गढ़ मरवाही का उपचुनाव नहीं लड़ पाया। लेकिन मरवाही का महाभारत अब उनके दल में ही शुरु हो गया है। एक धड़ा स्वर्गीय अजीत जोगी के

अपमान का बदला लेने की फिराक में भाजपा को समर्थन देने आमदा है, तो वहीं दो बागी विधायक जिनके खून में खून नहीं कांग्रेस है वो इसे धिक्कार और गीता, कुरान, बाईबिल वाली सुप्रीमो की कसम याद दिला रहा है। जिसमें जोगी जी ने कसम खाई थी कि वे भाजपा को न समर्थन देंगे न ही विलय करेंगे। लेकिन मरवाही में एलायस करके एक तरह से आगामी विधानसभा की पटकथा तैयार होती दिख रही है। अपमान का बदला आगामी विधानसभा में सीटों के सम्मान में न तब्दील हो जाए..?

धान खरीदी में घोटाला, गरियाबंद लैम्पस ने कर दिए 1839.72 क्विंटल शार्टेज

जीवन एस. साहू

इस खेल में मुख्य भूमिका धान उपार्जन. प्रभारी, मिलर्स, खाद्य विभाग और मार्कफेड

गरियाबंद। सरकार की धान खरीदी का सीजन आते ही घोटालेबाजों का पौ बारह हो जाते हैं जो अपने इस खेल में रंग दिखाना चालू कर देते हैं, ऐसा ही लाखों का खेल करने वालों का दस्तावेज प्राप्त हुआ है, जिसमें धान उपार्जन (खरीदी) प्रभारी, मिलर्स, खाद्य विभाग और मार्कफेड ने मिलकर खेला है । गरियाबंद जिला के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या0 पंजीयन कमांक 1650, गरियाबंद ने धान खरीदी सीजन 2019-20 में अपने तीन खरीदी केन्द्रों में कुल 136972.80 क्विटल का खरीदी किया था, जिसमें मिलीभगत कर 1839.72 क्विटल का शार्टेज (कमी) का मामला उजागर हुआ है

सरकार किसानों की मेहनत की कमाई धान फसल एवं अन्य फसलों को समर्थन मूल्य में खरीदी करती है जो व्यवस्था के अनुरूप सरकार की एजेन्सी के रूप में छ ग. राज्य सहकारी विपणन मर्यादित संघ, रायपुर होते हैं जो अपना एजेन्ट राज्य के प्राथमिक सहकारी संस्थाओं को नियुक्त करती है। इसी तरह जिला विपणन अधिकारी (डी.एम. ओ.) गरियाबंद ने प्रतिवर्ष की भाँति आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित पंजीयन कमांक 1650, गरियाबंद के साथ अनुबंध हुआ था जिसमें तीन उपार्जन (खरीदी) केन्द गरियाबंद, नागाबुड़ा एवं मरौदा में सीजन 2019-20 के लिए समर्थन मूल्य में गरियाबंद में 41873.20 क्वि0, नागाबुडा 56901.60 क्वि0 और नवीन खरीदी केन्द्र मरौदा 38198 क्विटल कुल 130972.80 क्विटल की खरीदी हुई थी, नियमानुसार जिसका 72 घण्टे में मार्कफेड को उपार्जन केन्द्रों से धान को उठाव करने का अनुबंध होता है को मार्कफेड के जिला विपणन अधिकारी (डी.एम.ओ.) के डिलवरी आदेश (डी.ओ) पर धान उपार्जन केन्द्रों से मिलर्स एवं छग राज्य सहकारी विपणन मर्या संघ के संग्रहण केन्द्र को भेजे गये थे । आपको आश्चर्य होगा जब अंतिम मिलान उपरान्त समित गरियाबंद को धान का शार्टेज (कमी) आया है तीनों उपार्जन केन्द्रों का कमश- गरियाबंद में 461.17 क्विटल नागाबुड़ा 953.67 क्विटल एवं मरौदा में 424.88 क्विटल की शार्टेज हुए हैं । विदित हो कि शार्टेज के मामले में राज्य शासन ने ऐसे समितियों में धान की शार्टेज हुए का थाना में एफ आई.आर. दर्ज कर उचित किया जावे ता लैम्पस गरियाबंद के प्रभारी समिति प्रबंधक ने भयवश समिति के बचत खाता से 18 लाख रू0 राईस मिलर्स में शार्टेज हुए का धान जमा कर दिया । एक तो पहले 55 लाख से अधिक का समिति को चुना लगाया ही और 18 लाख रू0 का नुकसान समिति का किया है । इस खेल में मुख्य भूमिका धान खरीदी (उपार्जन) प्रभारी, धान मिलर्स, खाद्य विभाग और मार्कफेड के अधिकारी के मिलीभगत से हुआ है । गरियाबंद लैम्पस पंजीयन कमांक 1650 में कुल खरीदी घान 138972.80 क्विटल में 1839.72 क्विटल की कमी (शार्टेज) जो हुआ है जिसे सरसरी नजर में देखेंगे कि मार्कफेड के संग्रहण केन्द की दूरी ज्यादा है जिसमें आधा-एक क्विटल की सूखत की कमी हो सकते हैं किन्तु ज्यादा किसी तरह स्वीकार नहीं किये जा सकते हैं ? संग्रहण केन्द्र के प्रभारी और डी.एम.ओ. के सांठगाठ से यह सब हुआ है, उसी तरह उपार्जन (खरीदी) केन्द्र प्रभारी एवं मिलर्स की मिलीभगत से बड़ा खेल हुआ है ताज्जुब होता है कि उपार्जन केन्द्र गरियाबंद और मिलर्स के राईस मिल की दूरी एक कि.मी. नहीं है जिसमें 18 से 20 क्विटल प्रत्येक वाहन (ट्रक) से कमी हो गया, क्या इसे विश्वास किया जा सकता है ? किन्तु ऐसा हुआ है । गरियाबंद का खरीदी केन्द्र कृषि उपज मण्डी गरियाबंद के स्थल में किया गया है जो सर्वसुविधायुक्त है, मण्डी में चबूतरा, शेड एवं अन्य सुविधा है जिसमें वर्षा से बाधित होने के बाद भी 461.17 क्विटल धान का शार्टेज नहीं हो सकता है ? यह खेल इस तरह हुआ कि राईस मिलर्स और खरीदी केन्द्र प्रभारी दोनों के मिलीभगत से ही हो सकते हैं डी.एम.ओ. के डिलवरी आदेश (डी.ओ.) से धान परिवहन अपने मिल में करता है जिसे खरीदी केन्द्र से उठाव करता है । खरीदी केन्द्र में 40 किलोग्राम प्रति बोरा का स्टेक से नियमानुसार धान का उठाव करना होता है जो स्टेक से रैण्डम तौल 10 प्रतिशत करके धान को वाहन में लोडिंग किया जाना होता है, क्योंकि अन्य स्थानों से तौल का सारी खर्च भार मिलर्स को अनुबंध के अनुसार करना होता है, किन्तु गरियाबंद के मिलर्स और अन्य क्षेत्रों के मिलर्स ने बड़ी चालाकी से खरीदी केन्द्र में लगे स्टेक (थप्पी) से रैण्डम तौल नहीं करके अपने धान मिल में लगे धरमकांटा से तौल करके तौल पत्र में धान खरीदी केन्द्र प्रभारी को सेटकर हस्ताक्षर करा लिया गया है जो अनुचित है और मान्य भी नहीं है, इसी तरह मार्कफेड के अधिकारी का सांठगांठ है, उपार्जन केन्द्र से उठाव किये धान को अपने संग्रहण केन्द्र तक ले गया है उसमें भी धरमकांटा में खेल हुआ है क्योंकि पहले से धरमकांटा में तौल किये तौल पत्र को परिवहनकर्ता जब धान ले जाता है तो संग्रहण केन्द्र प्रभारी (मार्कफेड) उसे मान्य नहीं किया अपने डी.एम.ओ. द्वारा लगाये धरमकांटा में तौल कराया जाता है में भी 5 क्विटल से अधिक शार्टेज हो जाता है । यहाँ पर बताना लाजिमी होगा कि यदि राईस मिलर्स अपने तौल पत्र में लगातार धान की शार्टेज (कमी) बता रहा है तो यह सब ऑनलाइन होता है तो खाद्य विभाग, मार्कफेड, नोडल अधिकारी को-आपरेटिव्ह बैंक, और सहकारी संस्थाएँ कैसे मौन रही है ? जबकि जिला प्रशासन के पटवारी से लेकर उच्च अधिकारियों का भी नियंत्रण व निगरानी की व्यवस्था होती है तो एक समिति गरियाबंद में कुल खरीदी 136972.80 क्विटल में 1839.72 क्विटल की कमी हो जाती है ? जिसमें मिलर्स द्वारा 1155.69 क्विटल और मार्कफेड 684.03 क्विटल की कमी हो गई है तो जिले में 38 समितियों में करोड़ों के शार्टेज हुआ होगा जो जांच से पता चलेगे । हालांकि राज्य सरकार के कड़े आदेश के बाद भी जिला प्रशासन ने शार्टेज पर दिखावा किया है जो घोटाले को पकड़ नहीं पाये या यूँ कहें कि भेंट पूजा चढ़ गया होगा? इसका प्रमाण भी है कि एक मिलर्स गरियाबंद के ने तो अन्य सोसायटी से उठाये धान जो अन्य खरीदी केन्द्र का नाम वाले भर्ती बोरे में लिखा था जिसे अपनी पट्टा (भू-स्वामी खाते) में गरियाबंद उपार्जन केन्द्र में बेचने लाये थे जिसे स्थानीय प्रशासन ने ट्रक और धान को पकड़ा था जो बाद में रफा-दफा करके धान एवं ट्रक वाहन को छोड़ दिया ?

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, पंजीयन क्रमांक 1650, गरियाबंद, जिला गरियाबंद छत्तीसगढ़ की सीजन 2019-20 का धान खरीदी घोटाला

क्र.	धान उपार्जन केन्द्र का नाम	खरीदी गई की मात्रा (क्विं. में)	कुल धान शार्टेज (कमी)	कुल धान शार्टेज धान में	राईस मिलर्स में संग्रहण केन्द्र शार्टेज
1.	गरियाबंद	41873.20	461.17	387.90	73.27
2.	नागाबुड़ा	56901.60	953.67	526.40	427.27
3.	मरौदा	38198.00	424.88	241.39	183.49
	योगः-	**136972.80**	**1839.72**	**1155.69**	**684.03**

11 लाख की टंकी से एक बूंद पानी नहीं, घंटों नलकूप पर महिलाएं मशक्कत करने को मजबूर

नव प्रदेश संवाददाता

देवभोग। पीएचई के जिम्मेदार अधिकारियों कि उदासीनता से लाखों रुपए खर्च कर बनाए गए पानी टंकी का लाभ हजारों ग्रामीणों को 4 साल बीतने के बाद भी नहीं मिल रहा है। बल्कि निर्माण धीन टंकी अब खंडहर में तब्दील होने के कगार पर नजर आ रहा है। ऐसे में सरकार की लाखों रुपए फिजूल खर्च साबित हो रहा है। जानकारी अनुसार बीते 2015- 16 के अंतर्गत पानी की विकराल समस्या को देखते हुए ग्राम पंचायत दीवानमुड़ा पर पीएचई विभाग के ठेकेदार के अधीन नल जल योजना के तहत करीब 11 लाख की लागत से पानी टंकी निर्माण किया गया ताकि गांव के हजारों लोगों को 70 हजार से ज्यादा लीटर पानी मिल सके। लेकिन पानी टंकी सिर्फ मटेरियल से खड़ा कर दिया गया है। क्योंकि जरूरत की मोटर पंप बिजली सहित अन्य अब तक इंतजाम नहीं किया है जबकि प्रावधान के अनुसार टंकी की स्वीकृति लागत मे हीं पंप बिजली बोर सहित अन्य की व्यवस्था करने का नियम है। लेकिन बिना यह सब उपलब्ध कराएं ठेकेदार को पानी टंकी को

पूर्णता का प्रमाण पत्र जारी करते हुए ठेकेदार को पूरी पूरी राशि जारी कर दिया गया। यही वजह है कि ठेकेदार द्वारा लाखों रुपए से कराए गए पानी टंकी को दोबारा मुड़कर भी नहीं देखा जिसका खामियाजा आज आम महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है । घंटो घंटो नलकूप पर मशक्कत कर खाना पकाने और पीने के लिए पानी लेने को मजबूर हैं। जिसकी परवाह ना अधिकारियों को है और ना जनप्रतिनिधि ध्यान देते हैं। जबकि पानी की किल्लत को लेकर कई वर्षो से ग्रामीण जूझ रहे हैं । बकायदा इससे पीएचई अधिकारियों को ग्रामीणों द्वारा कई बार अवगत भी करा चुके हैं। लेकिन लो वोल्टेज और तरह-तरह का बहाना बताकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। क्योंकि अगर वोल्टेज समस्या होती तो 11 लाख की लागत से 70 हजार लीटर पानी टंकी स्वीकृत नहीं किया जाता मतलब शासन को गुमराह में रखकर पीएचई अधिकारियों ने ठेकेदार को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए बढ़ा चढ़ाकर स्टीमेट तैयार किए जाने का सवाल भी खड़ा किया जा रहा है। जिसकी शिकायत पीएचई मंत्री और सचिव से कर लापरवाह अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही की मांग करने की बात कह रहे हैं।

लो वोल्टेज की समस्या के चलते पानी टंकी से पानी सप्लाई नहीं हो पा रहा है, वहां सोलर पंप लगाकर जल्द ही पानी दिया जाएगा।

अरुण भार्गव, एसडीओ पीएचई विभाग

हमने पीएचई अधिकारियों को कई बार अवगत कराया है लेकिन अब तक पानी टंकी पानी देने के लिए कोई पहल नहीं हुआ है जल्द ही मंत्री से मिलकर इसकी शिकायत करेंगे।

कंचन कश्यप, सरपंच दीवानमुड़ा

पेंगोलिन की 13 लाख में डील, तस्कर गिरफ्तार

जगदलपुर। विलुप्त श्रेणी में शामिल वन्य जीव पैंगोलिन की तस्करी मामले में वाइल्ड लाइफ बस्तर पुलिस की संयुक्त टीम ने ओडिशा व छत्तीसगढ़ बॉर्डर के बीच वन्य जीव पैंगोलिन की तस्करी करते 1 आरोपी को धर दबोचा है।

मामले की जानकारी देते हुए माचकोट वन परिक्षेत्र के रेंजर विनय चक्रवर्ती ने बताया कि कन्जरवेशन केयर सोसाइटों वाइल्ड लाइफट्रस्ट ऑफइंडिया की नीतू गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली थी कि छत्तीसगढ़ के ओडिशा बार्डर में एक वन्यजीव पैंगोलिन पकड़कर रखा गया है । उसे बेचने के लिए तस्कर ग्राहक ढूंढ रहे हैं। सूचना के आधार पर नीतू गुप्ता ने खुद खरीदार बन तस्करों से संपर्क कर 13 लाख रुपए में सौदा तय किया। पैंगोलिन को धनपुंजी बॉर्डर पर लाकर देने पर रुपए देना तय हुआ था। लेकिन पैंगोलिन तस्कर बॉर्डर के करीब नहीं आए। उन्होंने खरीदार बनी नीतू गुप्ता को ओडिशा बॉर्डर के करीब सरसोपदर गांव आने के लिए कहा। बातचीत होने के बाद तस्कर डमरू भतरा पिता लक्ष्मण उर्फ लैखन निवासी बेलगांव ओडिशा अपने साथी पाकलू के साथ मोटर साइकिल से पैंगोलिन को लेकर सरोपदर पहुंचा । यहां नीतू गुप्ता भी जबलपुर से पहुंची हुई थी। वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की टीम के आरक्षक बिपिन चतुर्वेदी तथा माचकोट रेंज के वन रक्षक जयदीप सिंह के साथ स्कॉर्पियो से पहुंची। दोनों को धनपुंजी तक चलने के लिए कहा गया लेकिन दोनों ने मना कर दिया। दोनों में से एक तस्कर पाकलू मौका देखकर फरार हो गया तथा दूसरे तस्कर डमरू भतरा को पुलिस ने मौके पर ही दबोच कर पूछताछ में तस्कर ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

कन्जरवेशन केयर सोसाइट वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया , जबलपुर से पहुंची वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो , माचकोट वन परिक्षेत्र के स्टॉफ और बस्तर पुलिस ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन चलाकर वन्य जीव को बचाया। इस पूरे ऑपरेशन में नीतू गुप्ता , देवेंद्र सिंह राठौर, राजीव दीक्षित , विपिन चतुर्वेदी , माचकोट रेंजर विनय चक्रवर्ती , बुधसन बघेल , जयदीप सिंह , कमलोचन बघेल शामिल रहे।

मुख्यालय से बरकानी तक बिना लेवलिंग के चौड़ीकरण मजबूती को लेकर सवाल

देवभोग। राज्य की भूपेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को चौड़ीकरण करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। ताकि आवागमन के दौरान आम आदमी दुर्घटना का शिकार ना हो लेकिन नियमानुसार कार्य नहीं कराने के चलते सड़क की हालत फिर से जस की तस हो जाती है। और राहगीरों को दुर्घटना का सामना करना पड़ता है। ऐसे ही मुख्यालय से अंतिम छोर गांव बरकानी तक चौड़ीकरण किया जा रहा है। जहां भारी मात्रा में लापरवाही बरती जा रही है। सबसे पहले सड़क किनारे की खानापूर्ति साफ सफाई कर बिना लेबल किए सीधा मुरुमी डाला जा रहा है। जिससे कहीं-कहीं सड़क दबने के अलावा समय से पहले फटने

की पूरी पूरी संभावना बताई जाती है। बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारी के कानों में जूं तक नहीं रेंग रहा। शुरुआती में इंजीनियर एसडीओ द्वारा ध्यान नहीं देने की स्थिति में सड़क की हालत बद से बदतर हो जाती है। उल्लेखनीय हो की देवभोग मुख्यालय से लेकर बरकानी तक 12 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण की कागजी प्रक्रिया पूर्ण कर टेंडर जारी किया गया जिसे उड़ीसा के ठेकेदार द्वारा अपने अंडर में लेकर चौड़ीकरण कार्य शुरू कर दिया लेकिन इन सबके बीच पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के नियमों को धत्ता दिखा रहे हैं । टेक्निकल अनुसार सड़क चौड़ीकरण से पहले आजू-बाजू जगह छोड़कर साफसफाई किया जाता है।